दैनिक

जयपुर टाइम्स

जयपुर, सीकर, झुंझुनूं, चुरू, नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 | अंक : 47 | ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 | जयपुर, शनिवार 8 मार्च, 2025 | ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 | ■ मूल्य : 1.5 रुपए | ■ पृष्ठ : 8+2

IIFA अवॉर्ड

शाहरूख खान सहित बॉलीवुड के नामी सितारों का जयपुर में जमघट

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। राजस्थान की राजधानी, गुलाबी नगरी, पूर्व के पेरिस सहित कई नामों से मशहूर जयपुर में आज फिल्मी दुनिया के सितारे अपनी जगमगाहट बिखेरेंगे। शाहरूख खान, कार्तिक आर्यन, करण जौहर, शाहिद कपूर, नोरा फतेही, निमरत कौर, करिश्मा तन्ना और सिंगर श्रेया घोषाल, मीका सिंह, रेखा, करीना जैसे सितारों से शहर गुलजार होगा। इनमें शाहरूख खान सहित कई हस्तियां शुक्रवार शाम को ही गुलाबी नगरी में बालीवुड की आभा बिखेरने पहुंच गए। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (IIFA) अवॉर्ड्स 8 और 9 मार्च को अपनी सिल्वर जुबली जयपुर में मनाएगा। जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इवेंट के लिए शुक्रवार शाम करीब 5 बजे बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान जयपुर पहुंचे। इस दौरान दो फ्लाइट के यात्री भी एयरपोर्ट के अंदर मौजूद थे, जिसके कारण एयरपोर्ट पर भीड़ हो गई। एयरपोर्ट से बाहर निकल रहे पैसेंजर शाहरुख की एक झलक के लिए गेट पर ही रुक गए। शाहरुख ने कार में बैठने के दौरान फ्लाइंग किस देकर फैंस का अभिवादन किया। शाहरुख तीन दिन जयपुर में रहेंगे। वे 9 मार्च को (IIFA) अवॉर्ड्स में परफॉर्मेंस देंगे। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान का होटल पहुंचने पर स्वागत किया गया। इससे पहले, कार्तिक आर्यन, करण जौहर, शाहिद कपूर, नोरा फतेही, निमरत कौर, करिश्मा तन्ना और सिंगर श्रेया घोषाल व मीका सिंह भी जयपुर आए। श्रेया घोषाल और मीका सिंह आईफा अवॉर्ड्स में परफॉर्म करेंगे। रेखा, करीना कपूर जैसे सितारे भी (IIFA) अवॉर्ड्स में शिरकत करेंगे। बता दें कि अवॉर्ड्स शो के लिए गुरुवार से ही सेलिब्रिटी गेस्ट का पहुंचना शुरू हो गया था। सबसे पहले आने वालों में माधुरी दीक्षित, नुसरत भरूचा, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और विजय वर्मा शामिल हैं। माधुरी दीक्षित ने गुरुवार को डांस रिहर्सल भी की। कार्तिक आर्यन और करण जौहर भी शुक्रवार शाम जयपुर एयरपोर्ट पर उतरे। आईफा अवॉर्ड्स के लिए शुक्रवार को एक्टर शाहिद कपूर जयपुर पहुंचे। सिंगर श्रेया घोषाल ने जयपुर एयरपोर्ट पर बनी सिटी पैलेस के बादल महल की रेप्लिका के साथ फोटो खिंचवाई। आईफा अवॉर्ड्स में शामिल होने एक्टर बोमन ईरानी भी जयपुर पहुंचे। आईफा अवॉर्ड्स में परफॉर्म करने जयपुर आए सिंगर मीका सिंह ने खम्मा घणी और राम राम सा बोलकर सभी का अभिवादन किया। उन्होंने %पधारो म्हारे देश% गाना भी सुनाया।

नुसरत-पारुल ने आमेर महल में किया शूट:

आमेर महल में आईफा अवॉर्ड्स का शूट किया गया। इस दौरान एक्ट्रेस नुसरत भरूचा और पारुल गुलाटी साथ नजर आई। दोनों ने आमेर महल की सीढ़ियां उतरते हुए सीन शूट किया। इस दौरान साथी कलाकार उन पर फूल बरसाते रहे।

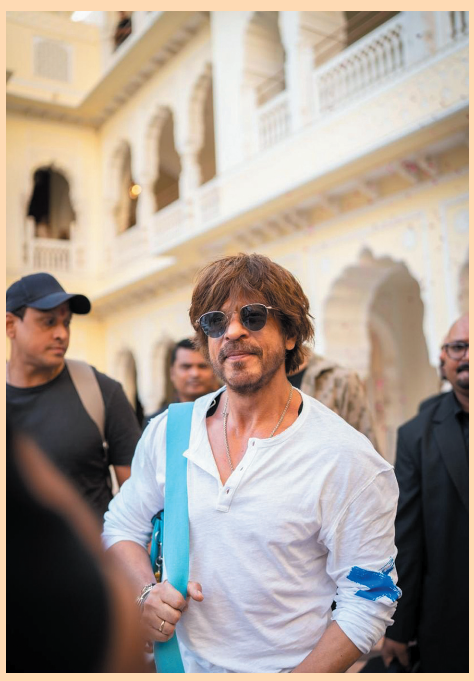

आज रात माधुरी दीक्षित का टॉक शो

आईफा की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को समर्पित संवाद सत्र 'द जर्नी ऑफ वीमेन इन सिनेमा' आज रात 8-30 बजे आयोजित होगा। इसमें माधुरी दीक्षित और ऑस्कर विजेता निर्माता गुनीत मोंगा एक साथ मंच साझा करेंगी। होटल हयात रीजेंसी, मानसरोवर में इस संवाद का संचालन IIFA की वाइस प्रेसिडेंट नूरीन खान करेंगी। इसमें फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के योगदान, उनके संघर्ष, चुनौतियों और उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। IIFA डिजिटल अवॉर्ड्स 8 मार्च को होंगे, जिसे अपारशक्ति खुराना, विजय वर्मा और अभिषेक बनर्जी होस्ट करेंगे। तीनों एक्टर ने गुरुवार को जेईसीसी में होस्टिंग की रिहर्सल की। 9 मार्च को IIFA अवॉर्ड्स का ग्रैंड फिनाले करण जौहर और कार्तिक आर्यन होस्ट करेंगे। सेरेमनी में बॉलीवुड के कई बड़े सितारे परफॉर्मेंस देंगे।

जयपुर पहुंची माधुरी दीक्षित का होटल हयात में साक्षात्कार।

खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान बढ़ाएगा संतुष्टिकरण की भावनाः मोदी

प्रधानमंत्री ने किया शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

सूरत(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सूरत में खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह संतृप्ति अभियान तुष्टिकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टिकरण की भावना को आगे बढ़ाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि सूरत अनेक मामलों में गुजरात और देश का एक अग्रणी शहर है। सूरत आज गरीब और वंचित को भोजन और पोषण की सुरक्षा देने में आगे निकल रहा है। यहां आज जो खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान चलाया गया है। यह दूसरे जिलों और राज्यों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान सुनिश्चित करता है कि न कोई भेदभाव, न कोई छूटे, न कोई रूठे और न कोई किसी को ठगे। यह अभियान तुष्टिकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टिकरण की भावना को आगे बढ़ाएगा। जब सरकार ही लाभार्थी के दरवाजे पर जा रही है, तो कोई छूटेगा कैसे और जब कोई छूटेगा नहीं तो कोई रूठेगा कैसे।

जब सोच यह हो कि हमें सब तक लाभ पहुंचाना है, तो ठगने वाले दूर भाग जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे संतोष है कि हमारी सरकार गरीबों की सच्ची साथी बनकर खड़ी है। कोविड महामारी के दौरान जब भारत को महत्वपूर्ण सहायता की आवश्यकता थी, तब गरीबों को उचित भोजन मिले, इसके लिए गरीब कल्याण योजना शुरू की गई। यह अपनी तरह की दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि गुजरात सरकार ने इस पहल का विस्तार किया है। आज केंद्र सरकार गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे, इसके लिए दो लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है।

पीएम ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में पौष्टिक भोजन की बड़ी भूमिका है। हमारा लक्ष्य देश के हर परिवार को पर्याप्त पोषण देना है ताकि कुपोषण और एनीमिया जैसी बड़ी समस्याओं से देश मुक्त हो सके। आज दुनिया भर के कुछ सबसे बड़े संगठन इस बात को स्वीकार करते हैं कि स्वच्छ भारत अभियान ने गांवों में बीमारियों को कम करने में मदद की है। हर घर जल अभियान ने भी बीमारियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पांच करोड़ से ज्यादा फर्जी राशन कार्ड सिस्टम से हटाएः

उन्होंने कहा कि पहले एक जगह का राशन कार्ड दूसरी जगह नहीं चलता था। हमने इस समस्या का समाधान किया। हमने वन नेशन वन राशन कार्ड लागू किया। अब राशन कार्ड चाहे कहीं का भी हो, लाभार्थी को उसका फायदा देश के हर शहर में मिलता है। देश में पांच करोड़ से ज्यादा फर्जी राशन कार्ड धारक थे। हमारी सरकार ने उन्हें सिस्टम से हटा दिया। हमने राशन सिस्टम को आधार कार्ड से जोड़ा।

सीएम ने दी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शुभकामनाएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश की सभी महिलाओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि यह दिन नारी शक्ति के सम्मान, समर्पण और उपलब्धियों का उत्सव है। महिलाएं समाज की आधारशिला हैं, जो अपनी प्रतिभा, कौशल एवं जज्बे के दम पर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण, उन्हें समान अवसर देने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए कृतसंकल्पित है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के साथ ही महिला सशक्तीकरण की दिशा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं और विकसित व खुशहाल राजस्थान के निर्माण में योगदान दें।

वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर क्रैश

एजेंसी

पंचकूला(एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला स्थित मोरनी के बालदवाला गांव के पास शुक्रवार को भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

भारतीय वायुसेना के अधिकारी ने बताया कि विमान ने प्रशिक्षण उड़ान के लिए अंबाला एयरबेस से उड़ान भरी थी।

पायलट पैराशूट से उतरकर अपनी जान बचाने में कामयाब रहा। अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हालांकि माना जा रहा है कि विमान तकनीकी खराबी के कारण हादसे का शिकार हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान लहराते हुए पेड़ों से टकराता हुआ जंगल के बीच एक खाई में गिरा था।

विमान के गिरते ही उसमें आग लग गई और वह कई टुकड़ों में बंट गया। विमान के टुकड़े आसपास के क्षेत्रों में बिखरे पाए गए हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और वायुसेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्षेत्र को सील कर दिया गया है और राहत व बचाव कार्य जारी है। वायुसेना ने दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया है।

चार हजार युवाओं को आज मिलेगा रोजगार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर हजारों युवाओं का रोजगार का सपना साकार होगा। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर की ओर से शनिवार को जयपुर के मुंडिया रामसर में मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेगा रोजगार मेले में निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैंकिंग, मेडिकल, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, सिक्योरिटी, कॉल सेन्टर, बीमा आदि क्षेत्रों से संबंधित लगभग 50 निजी नियोजक अपनी 4 हजार से ज्यादा रिक्तियों के अनुसार मौके पर ही युवा आशार्थियों का प्राथमिक चयन कर लाभान्वित करेंगें।

एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का उद्घाटन उद्योग व वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल विभाग, कौशल, नियोजन व उद्यमिता विभाग राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे। वहीं, मंत्री के.के. विश्नोई भी इस खास कार्यक्रम में शिकरत कर आशार्थियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

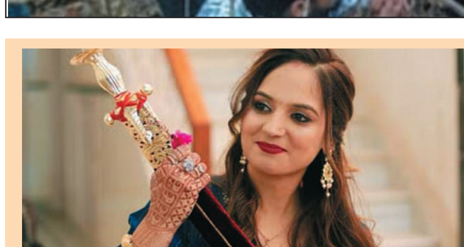

एंजिला स्वामी ने जीता मिसेज यूनिवर्स का खिताब

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। बीकानेर मूल की एंजिला स्वामी ने मिसेज यूनिवर्स 2025 का खिताब जीतकर न केवल अपने शहर बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। थाईलैंड के पटाया में 24 से 28 फरवरी 2025 तक आयोजित इस प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इससे पहले, एंजिला ने मिसेज इंडिया ऑरा ग्लोबल 2024 का ताज भी अपने नाम किया था। मिसेज यूनिवर्स प्रतियोगिता में दुनिया भर की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों के बीच अपनी खूबसूरती, बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने यह खिताब जीता, जिससे बीकानेर का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ।

वन नेशन, वन इलेक्शन और विधानसभा सत्र के मुद्दों पर चर्चा

निकाय चुनावों की समीक्षा, आगामी तैयारी पर मंथन

जयपुर टाइम्स

चंडीगढ(एजेंसी)। हरियाणा निकाय चुनाव के बाद अब भाजपा आगे की रणनीति बनाने में जुट गई है। शुक्रवार को पंचकुला स्थित कार्यालय ''पंचकमल'' में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में अहम संगठनात्मक बैठक हुई।

इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, प्रदेश संगठन प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां, प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, डा. अर्चना गुप्ता और मंत्री कृष्ण बेदी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में सभी जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी और जिला चुनाव अधिकारियों के साथ हरियाणा निकाय चुनाव समीक्षा, संगठन चुनाव तैयारी, विधानसभा सत्र सहित विभिन्न संगठनात्मक व राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विचार विमर्श किया। इस महत्वपूर्ण

पंचकमल में बनी 'रणनीति', पार्टी के विस्तार पर दिया 'बल'

बैठक में 2 मार्च को प्रदेशभर में हुए निकाय चुनाव की समीक्षा की गई और साथ ही पानीपत में 9 मार्च को होने वाले चुनाव की भी रणनीति बनाई गई। इस बैठक में सभी नेताओं ने आगामी दिनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई और उन्हें सफल बनाने की योजना पर भी मंथन किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा का और अधिक विस्तार कैसे किया जाए पर चर्चा की गई। साथ ही विधानसभा सत्र में उठने वाले मुद्दों पर भी व्यापक वार्तालाप हुआ। बैठक में जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और चुनाव प्रभारियों से उनके क्षेत्रों के निकाय चुनाव के बारे में एक-एक करके जानकारी ली गई।

सभी ने बैठक में सकारात्मक रिजल्ट आने का दावा किया। इसके अलावा पानीपत में जिन पदाधिकारियों की चुनाव को लेकर ड्यूटी लगाई गई उनसे भी वहां का फीडबैक लिया गया। निकाय चुनाव को लेकर समीक्षात्मक मंथन से भाजपा के तमाम नेता संतुष्ट भी नजर आए। आने वाले दिनों में संगठन का और अधिक विस्तार कैसे हो इस पर भी सभी जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारियों से विचार और सुझाव मांगे गए। साथ ही उन्हें पन्ना प्रमुख तक संगठन को और अधिक ज्यादा मजबूत करने के लिए निर्देशित किया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा आदि नेताओं ने उपस्थित पदाधिकारियों की चुनाव में कार्य के लिए पीठ थपथपाई और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। सभी नेताओं ने हरियाणा की जनता को देवतुल्य बताते हुए भाजपा के लिए वोट करने पर आभार जताया। बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बताया कि भाजपा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी मना रही है। पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर सुशासन दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 14 अप्रैल को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का जन्म दिवस है। भाजपा अंबेडकर के जन्म दिवस को गौरव संविधान दिवस के रूप में मना रही है। बाबा साहेब के जीवन और संविधान को लेकर प्रदेश भर में कार्यक्रम किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस बैठक में वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर भी व्यापक चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष के मुताबिक इस संबंध में एक समिति बनाई गई है जो इस विषय पर लोगों से बातचीत करेगी और जनता का विचार जानेगी। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास के मूलमंत्र पर चलते हुए भाजपा सरकार कल्याणकारी योजनाएं बनाकर हर वर्ग के लोगों को लाभान्वित कर रही है। हरियाणा में लगातार विकास के कार्य हो रहे हैं, जिन्हें जनता महसूस भी कर रही है। कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है कि हमने लोकसभा, विधानसभा का चुनाव जीता और देश और प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाई। कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से ही अब प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने जा रही है।

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
8 मार्च, 2025

दसवां स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम किया आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। रोटरी क्लब ऑफ अलवर ने रोटरी सत्र 2024ङ्क25 का 10 वां स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम देसी ठाठ रिसॉर्ट में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में रोटेरियन संदीप खंडेलवाल, नमन खंडेलवाल, संयोजक विकास गुप्ता और देसी ठाठ के स्टाफ ने रक्तदान किया और कुल 29 यूनिट रक्तदान किया गया। रोटेरियन संदीप खंडेलवाल, नमन खंडेलवाल और देसी ठाठ रिसॉर्ट के पूरे स्टाफ को बहुत बहुत धन्यवाद जिन्होंने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में अपना विशेष सहयोग किया। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब सचिव मुकुंद गुप्ता, कोषाध्यक्ष बी डी अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक विकास गुप्ता ने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह जानकारी दीपक कट्टा अध्यक्ष रोटरी क्लब ऑफ अलवर ने दी।

तीन दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव का हुआ शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। प्रन्यास मंदिर महादेव जी अलवर द्वारा शुक्रवार को महाआरती तीन दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव और होली महोत्सव प्रारंभ हुआ

त्रिपोलिया मंदिर के महंत जितेंद्र खेड़ापति ने बताया कि शुक्रवार को 6-15 बजे संगीतमय महाआरती हुई आरती में कालमोरी के महंत रुपनाथ, प्रीतु नाथ हरियाणा एवं 9 वर्षीय बाल साधु कार्तिक नाथ शामिल हुए। आज 8 मार्च को दोपहर 12-00 बजे त्रिपोलिया महादेव मंदिर में पौधा वितरण किया जाएगा 9 मार्च को प्रातः 11¬15 बजे गौरी गणेश रूद्र पूजन शुरू होगा जो 12-00 बजे तक चलेगा । इसके बाद 12¬00 बजे से रुद्राक्ष अभिषेक का कार्यक्रम शुरू होगा जिसमें आमजन द्वारा रुद्राक्ष अभिषेक किया जाएगा। दोपहर 3-15 बजे महा आरती और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा। रात्रि 8-15 बजे से 10-00 बजे तक होली उत्सव श्रृंगार झांकी के दर्शन होंगे। रात्रि 11-15 बजे महा आरती का आयोजन होगा। इसी के साथ ही तीन दिवसीय होली उत्सव का कार्यक्रम का समापन होगा।

विभिन्न विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण, जनता को मिली नई सौगातें

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(निस)। विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों की गूंज सुनाई दे रही है। हाल ही में क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जिससे जनता को बड़े स्तर पर लाभ मिलेगा। इन विकास कार्यों के तहत पेयजल, शिक्षा और सड़कों से जुड़ी योजनाओं का

लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया ग्राम मोहम्मदपुर तलवार में रू2.29 करोड़ की छ्छ्छ्रूयोजना के तहत पेयजल आपूर्ति की सुविधा का विस्तार किया गया, जिससे स्थानीय निवासियों को स्वच्छ और सुचारू जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मोमनपुर और तलवाड़ के स्थानीय विद्यालयों में तीन नए कक्षाओं का शिलान्यास किया गया, जिससे बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही, प्रयोगशाला और लाइब्रेरी भवन का उद्घाटन भी किया गया, जिससे छात्रों की शिक्षा को नई दिशा मिलेगी ग्राम गंडाला में अटल पथ योजना के तहत नई सड़क की स्वीकृति के बारे बताया गया, जिससे गांववासियों को बेहतर परिवहन सुविधाएं मिलेंगी। इस अवसर पर ग्रामीणों ने बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत यादव एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया और इस विकास कार्य के लिए भाजपा सरकार को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में बहरोड़ प्रधान सरोज बस्तीराम यादव ने मुख्य अतिथि और अध्यक्ष के रूप में कार्यक्रम की शुरुआत की और भाजपा नेता और अलवर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मोहित यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और इन योजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, जल आपूर्ति जैसे बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, ताकि हर नागरिक को इसका सीधा लाभ मिले इस दौरान साथ में सरपंच अनु संदीप, सरपंच योगेंद्र, प्रधान प्रतिनिधि बस्तीराम यादव मंडल अध्यक्ष प्रशांत, एवं जिला पार्षद राम नरेश के साथ काफी संख्या में भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने ली शांति समिति की बैठक, होली और रमजान के मद्देनजर सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने पर दिया जोर

तेज आवाज में डीजे बजाने पर होगी कार्यवाई, डीजे होंगे जब्त

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)। आगामी त्यौहार होली और रमजान को ध्यान में रखते हुए, जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस विभाग, जनप्रतिनिधियों और समाज के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान कलेक्टर किशोर कुमार ने सभी समुदायों से आपसी भाईचारे और शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों का उद्देश्य सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है, और इसे किसी भी प्रकार की अफवाहों या गलतफहमियों से प्रभावित नहीं होने देना चाहिए।अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने सभी नागरिकों से सौहार्द और एकता बनाए रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा हमारे यहां गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल है, और हमें इसे बनाए रखना है। सभी धर्मों के लोग प्रेम और भाईचारे के साथ त्योहारों को मनाएं। पुलिस उपाधीक्षक खैरथल राजेंद्र सिंह ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। होली के दौरान

असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, और रमजान के मद्देनजर धार्मिक स्थलों के आसपास सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। बैठक में मौजूद शांति समिति के सदस्य एवं विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया और त्यौहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की प्रतिबद्धता जताई। शांति समिति के सदस्यों ने तेज आवाज में डीजे बजाने से बोर्ड परीक्षाओं में छात्र-छात्राओं को पढ़ाई करने में परेशानी तथा त्योहारों पर अनावश्यक हुड़दंग न हो इस हेतु तेज आवाज में डीजे बनाने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की जिस पर जिला कलेक्टर ने पुलिस प्रशासन को सख्त कार्यवाई कर डीजे जब्त करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सौहार्द बनाए रखें, अफवाहों से बचें और किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें।इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, डिप्टी एसपी किशनगढ़ बास राजेंद्र सिंह, डिप्टी एसपी तिजारा शिवराज, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, अधिशासी अभियंता नगर परिषद भिवाड़ी सहित शांति समिति के सदस्य एवं विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

डॉ भीमराव अंबेडकर भवन का किया उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(निस)। पंचायत समिति बहरोड के ग्राम बसई में पंचायत समिति प्रधान कोटे से 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित डॉ भीमराव अंबेडकर भवन का उद्घाटन सरोज बस्तीराम यादव प्रधान पंचायत समिति बहरोड के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहित यादव अलवर क्रिकेट संगठन ने की उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन मीनाक्षी कृष्ण कुमार मीणा सरपंच ग्राम पंचायत बसई ने किया।

इस अवसर पर सरपंच जोगेंद्र यादव, वेद कृष्णा सरपंच, जगराम प्रजापत, डॉ जयपाल सिंह, सरपंच सोताज सिंह, सरपंच सुरेश चंद्र भेड़ी, नगर पालिका पार्षद अमर सिंह पंच, सुनील कुमार, रोहतास पार्षद, तेज सिंह यादव, दिल्ली पच, सत्यनारायण यादव ओम प्रकाश मास्टर, परमानंद मेघवाल, भामाशाह जगमाल सिंह बुढ़वाल, महेश सेन, रोहतास गुर्जर, सुनील यादव, इत्यादि सैकड़ो ग्रामीण, महिलाएं, युवा उपस्थित थे।

कार्यक्रम के मुख्यवक्ता बस्तीराम यादव एडवोकेट ने स्वतंत्रता सेनानी मत्स्य के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय बाबू शोभाराम जी की स्मृति में पंचायत समिति प्रधान कोटे से 10 लाख रुपए की लागत से स्वतंत्रता सेनानी बाबू शोभाराम सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की तथा महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं सहित बधाई दी।

विधि-विधान से हुआ यज्ञ-हवन के साथ शिव मंदिर का निर्माण व प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम

राजस्थान हैहयवंशी कलाल महासभा जयपुर के प्रांगण में हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान हैहयवंशी कलाल महासभा जयपुर के प्रांगण में शिव मंदिर का निर्माण व प्राण-प्रतिष्ठा करवाई गई। प्राण-प्रतिष्ठा विधि विधान से गायत्री परिवार के विशिष्ट पंडित विनोद शास्त्री द्वारा हवन पूजन करवाई गई, जिसमें स्वजातीय जोड़ों ने इस पुण्य कार्य मे भाग लिया। उक्त आयोजन में जहां संपूर्ण योगदान संत डॉ. श्री हरिहर दास महाराज जयपुर हाल वृंदावन का रहा।

जिन्होंने मंदिर के निर्माण से लेकर सभी काम का खर्च स्वयं ने उठाया। शिव मंदिर का निर्माण व प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में संत डॉ हरिहर दास उनकी धर्मपत्नी, पुत्रवधु आशा, उनके पौत्र पीयूष व उनकी धर्मपत्नी, शैलेन्द्र, शिवचरण हाडा, उनकी पुत्रवधु सुमन हाडा, कमल किशोर जायसवाल, के.के. जायसवाल (स्टॉक एक्सचेंज) व उनकी धर्मपत्नी, के. एन .गुप्ता और उनकी धर्मपत्नी, राजेंद्र, विजय शंकर मय धर्मपत्नी, डॉ ओमप्रकाश (सांगानेर) विजय कटारा, गोविंद,

अंजू , भगवानदास, महेश, लोकेश, वेदप्रकाश, राकेश सेठी, रामपाल, राजपाल, सुरेन्द्र सिंह, राजेश (प्रताप नगर) ओमप्रकाश, ताराचंद (खानिया), ललित, सुधीर सेठी, हेमेंद्र व छात्रावास के छात्रों ने भाग लिया।शिव मंदिर का निर्माण व प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद फागोत्सव सहस्त्रार्जुन सभागार मे प्रसिद्ध गायक कलाकारों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमे समाज की महिला-पुरुष व छात्रों ने भाग लिया ओर नृत्य कर इस कार्यक्रम को खुशनुमा बना दिया। इस कार्यक्रम में डॉ. रामबाबू जायसवाल, पूरण चन्द झरीवाल उनकी धर्मपत्नी, उनके सुपुत्र व उनकी धर्मपत्नी, जुगल किशोर उर्फ जुगनू सहित समाज की माता बहनों, समाज बन्धुओ ने कार्यक्रम को सफल बनाया। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने का संपूर्ण श्रेय राजस्थान हैहय वशी कलाल महासभा के पूर्व अध्यक्ष, वर्तमान अध्यक्ष, कन्हैयालाल पारेता व समस्त पदाधिकारियों तथा सदस्यगणों ने संत श्री हरिहरदास को दिया ओर उनका आभार प्रकट करते हुए अभिनंदन किया। यह जानकारी उत्तमचंद चौधरी, महामंत्री राजस्थान हैहयवंशी कलाल महासभा जयपुर ने दी।

जिला बाल पीडित मुआवजा सहायता समिति' की बैठक में सचिव सोनी ने दिए दिशा-निर्देश

बैठक का आयोजन ऑफलाईन माध्यम से हुआ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। किशोर न्याय समिति, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर के सचिव व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहन लाल सोनी की अध्यक्षता में 'जिला बाल पीडित मुआवजा सहायता समिति' अलवर की बैठक का आयोजन ऑफलाईन माध्यम से किया गया।सचिव मोहन लाल सोनी ने बताया कि किशोर न्याय समिति, राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार वर्ष 2019 से माह मार्च 2023 तक एवं उसके पश्चात् दर्ज बालकों के साथ गठित पोक्सो अधिनियम के एवं अन्य मामलों में दर्ज प्रकरण में प्रतिकर हेतु आवेदन करवाए जाने के निर्देश दिए गए थे, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर) अलवर से प्राप्त सूचना के अनुसार

अभी तक 385 प्रकरणां में ही प्रतिकर हेतु आवेदन बाल कल्याण समिति, अलवर द्वारा संबंधित पुलिस थाने के माध्यम से तैयार करवाये जाकर नोडल अधिकारी-अति. जिला मजिस्ट्रेट (शहर), अलवर को प्रेषित किये गये है। बाल कल्याण समिति द्वारा आवेदन तैयार करवाने में हो रहे विलंब को गंभीरता से लेते हुये आवेदनो की पूर्ति की जाकर शीघ्र निस्तारण के दिशा-निर्देश प्रदान किये गये थे। उन्होंने बताया कि बैठक में उपस्थित बीना महावर, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट शहर, अलवर एवं नोडल अधिकारी द्वारा अवगत करवाया कि उनके द्वारा सभी आवेदनों का अग्रिम कार्यवाही हेतु भिजवाया जा चुका है तथा उनके पास कोई भी आवेदन वर्तमान में लंबित नहीं है। बैठक में उपस्थित उप अधीक्षक डॉ0 पूनम, एस.आई.सी.ए.डब्ल्यू, अलवर एवं दिनेश कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एस. आई. सी.ए.डब्ल्यू, भिवाडी को पोक्सो अधिनियम में दर्ज सभी प्रकरणों में शीघ्रातीघ्र आवेदन मय आवश्यक दस्तावेजात संबंधित पुलिस थानों के माध्यम से शीघ्र पूर्ण करवाए जाकर नोडल अधिकारी, अति0 जिला मजिस्ट्रेट (शहर) को भिजवाने के संबंध में निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान सोनी द्वारा बाल कल्याण समिति, अलवर को ऐसे लंबित प्रकरण, जिनमें अभी आवेदन तैयार नहीं करवाए गए है, तो उनकी सूची अति0 जिला मजि0 (शहर), अलवर को उपलब्ध करवाए जाने के निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही विशिष्ट पोक्सो न्यायालय के द्वारा निर्णय व प्रतिकर राशि का निर्धारण कर इस कार्यालय को भिजवाये गये प्रकरणों में संबंधित पुलिस थानों से चाही गई पीड़िता के आवश्यक दस्तावेजात जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो रहे हैं, उक्त प्रकरणों की सुची बैठक में उपस्थित पदाधिकारीगण को उपलब्ध करवाते हुए संबंधित थानाधिकारियों को वांछित सूचनाएं व पीड़िताओं के दस्तावेजात जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भिजवाए जाने के निर्देश प्रदान किए गए।

बजट घोषणाओं से अलवर के पर्यटन को लगेंगे विकास के पंख,कला संस्कृति और ग्रामीण पर्यटन को भी मिलेगा बढ़ावा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरगामी सोच के परिणाम स्वरूप राजस्थान पर्यटन को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई मिल रही है। पर्यटन क्षेत्र का विकास करने की दृष्टि से जहाँ एक ओर राजस्थान ट्यूरिज्म इन्फ्रास्ट्रचर एण्ड कैपेसिटी बिल्डिंग फंड (आरटीआईसीएफ) से 750 करोड़ रुपये से अधिक राशि के आधारभूत संरचना सम्बन्धी कार्य हाथ में लिये गएं हैं, वहीं प्रदेश को ग्लोबल सेंटर स्टेज पर लाने के लिए देश-विदेश में ट्रेवल बाजार, कल्चरल प्रोग्राम, राजस्थान कॉलिंग जैसे इवेंट्स/रोड शॉ भी किये जा रहे हैं। इसी क्रम में अलवर जिलें में पर्यटन की अपार सम्भावनाओं को देखते हुए बजट 2024-25 एवं 2025-26 में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है, जिनसे न केवल पर्यटन को बढावा मिलेगा बल्कि जिले में आर्थिक विकास के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। अरावली की सुरम्य पहाडियों की तलहटी में स्थित अलवर जिला प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पौराणिक धरोहरों को समेटे हुए हैं। भौगोलिक दृष्टि से अलवर केंद्र व राज्य की राजधानियों के बीचों-बीच अवस्थित होने के कारण यहां पर्यटन एवं आर्थिक विकास की अनेक संभावनाएं विद्यमान है। यहां सरिस्का अभयारण्य, सिलीसेढ झील, बाला किला, भानगढ किला, मूसी महारानी छतरी जैसे प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के साथ-साथ भर्तृहरि धाम, पाण्डुपोल, नीलकंठ महादेव, तालवृक्ष जैसे धार्मिक स्थलों के दर्शन करने व भ्रमण करने देश-विदेश से बडी संख्या पर्यटक वर्षभर आते हैं। जिले में पर्यटन की अपार

संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए राज्य सरकार के बजट वर्ष 2024-25 के अंतर्गत 25 करोड रूपये की लागत से प्रकृति एवं पर्यावरण के अनुकूल बायोलोजिकल पार्क की स्थापना की जाएगी, जिससे यहां आने वाले पर्यटकों को प्राकृतिक सौन्दर्य का आभास होगा। इसी प्रकार 45 करोड रूपये की लागत से विज्ञान केन्द्र की स्थापना की जाएगी जिससे युवाओं को विज्ञान के नित नए प्रयोगों एवं शोधों को जानने का अवसर मिलेगा। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण भर्तृहरि धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा में विस्तार के लिए विकास कार्य एवं सरिस्का से पाण्डुपोल तक पर्यावरण के अनुकूल ईवी बेस्ड ट्रांसपोर्ट सिस्टम शुरू किया जाएगा जिससे पर्यटक एवं श्रद्धालुओं को पर्यटन स्थलों तक पहुंचने में सहूलियत होगी। इसी प्रकार बजट के अन्तर्गत जिले की बावडियों के पुनरूद्धार के कार्य, सरिस्का को ईको सेन्सेटिव जोन के रूप में चिन्हिकरण कर मास्टर प्लान बनेगा, बाघ परियोजना क्षेत्रों में टाईगर हैबिटेट सुधार के कार्य एवं एन्टी पोचिंग इंफ्रस्ट्रक्चर, मातृ वन की स्थापना, ऐतिहासिक विरासत की झांकी दिखाने वाले राजकीय संग्रहालय अलवर उन्नयन कार्य एवं पर्यटक स्थलों तक सुगम पहुंच के लिए दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस हाईवे से कनेक्ट करने वाली विभिन्न सडकों का निर्माण कार्य किये जा रहे हैं।

डॉ. विजयपाल यादव को सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए किया सम्मानित

भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। अलवर के यातीनाम डॉ. विजयपाल यादव को सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। जहां अलवरवासियों में खुशी छा गई ओर सभी ने डॉ. यादव को बधाई दी।डॉ. विजयपाल यादव खिलौरा गांव तहसील रामगढ़ में 20 फरवरी 1970 को पैदा हुए अपनी हायर सेकेंडरी की पढ़ाई सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल रामगढ़ से पूरी की एवं 18 साल की उम्र में 24 मार्च 1988 को आर्मी मेडिकल कोर में नर्सिंग असिस्टेंट सिपाही के पद पर भर्ती हुए वहां पर रहते हुए उन्होंने अपने 10 +2 की पढ़ाई की और राजस्थान पीएमटी में सिलेक्शन हुआ गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कोटा से एमबीबीएस की पढ़ाई की उसके बाद में एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर से एम. एस. जनरल सर्जरी में करने के बाद सरकारी अस्पताल अलवर में सेवाएं दी 2009 से अपना एक प्राइवेट हॉस्पिटल विजय हॉस्पिटल के नाम से चला रहे हैं इस दौरान उन्होंने काफी जटिल से जटिल ऑपरेशन किये अलवर शहर में तथा आसपास के गांव में 9000 पेड़ अभी तक लगा चुके हैं सिलीसेढ़ झील की सफाई एवं जयसमंद वाली नहर की सफाई जेसीबी द्वारा 2019 में करवाई और अभी श्रीमद्भागवत गीता को बहुत सारे स्कूलों में बच्चों को पढ़ा रहे हैं एवं हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे का संकीर्तन पूरे अलवर शहर में तथा आसपास के काफी गांव में चल रहा है सन 2007 से मिलिट्री हॉस्पिटल अलवर में अपनी निशुल्क सेवाएं देते हैं जब भी वहां पर सर्जन नहीं होता है और अब तक सिपाही से लेकर ब्रिगेडियर तक लगभग 360 ऑपरेशन वहां कर चुके हैं इसीलिए 2024 में ईटाराणा छावनी में मेजर जनरल द्वारा सम्मानित किये गये थे उसी के तहत आज मथुरा सैन्य छावनी में सेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी द्वारा डॉ विजयपाल यादव को सम्मानित किया गया सेनाध्यक्ष ने बताया कि डॉ विजयपाल यादव भूतपूर्व सैनिक ने जो कार्य किया वह हमारी सेना के लिए गौरांवित करने वाला है ।

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
8 मार्च, 2025

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जयपुर में मेगा रोजगार मेला, 50 कंपनियां करेंगी भर्ती

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को जयपुर के मुंडियारामसर खेल मैदान में मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मेले का उद्घाटन करेंगे, जबकि मंत्री के.के. विश्नोई भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस मेले में 50 निजी कंपनियां विभिन्न क्षेत्रों–निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैंकिंग, आईटी, फार्मा, बीमा, सिक्योरिटी आदि–में 4,000 से अधिक पदों पर भर्ती करेंगी। कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के शासन सचिव समित शर्मा ने बताया कि सरकार अगले वर्ष तक निजी क्षेत्र में 1.5 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

मेले में जिला उद्योग केंद्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य सरकारी संस्थान भी भाग लेंगे और अपनी योजनाओं की जानकारी देंगे। सेना भर्ती कार्यालय भी युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती की प्रक्रिया से अवगत कराएगा।

उपनिदेशक, उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय नवरेखा ने बताया कि माध्यमिक, स्नातक, डिप्लोमा, आईटीआई, नर्सिंग, पॉलिटेक्निक आदि योग्यताधारी अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के साथ मेले में भाग ले सकते हैं। रोजगार विभाग द्वारा पंजीकरण के लिए क्यूआर कोड जारी किया गया है, जिससे अभ्यर्थी और कंपनियां ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगी।

माही नदी को लूणी से जोड़ने की फिजिबिलिटी रिपोर्ट प्रक्रियाधीनः जल संसाधन मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विधानसभा में बताया कि माही नदी को लूणी नदी से जोड़ने के लिए पश्चिमी राजस्थान नहर परियोजना की फिजिबिलिटी रिपोर्ट पर कार्य जारी है। केंद्र सरकार के उपक्रम वेपकॉस को इसकी जिम्मेदारी दी गई है, और संशोधित इनसेप्शन रिपोर्ट का परीक्षण प्रक्रियाधीन है। मंत्री ने कहा कि इस परियोजना से माही बेसिन के अधिशेष जल को कडाना बांध से होते हुए जालौर जिले तक पहुँचाने की संभावनाओं का अध्ययन किया जा रहा है। बजट 2024-25 के तहत रन-ऑफ-वाटर ग्रिड के एक घटक के रूप में जल संचय और पुनर्भरण की योजना भी प्रस्तावित है।उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान के तहत जल अधिशेष नदियों को कम पानी वाली नदियों से जोड़ने के लिए 30 लिंक्स चिह्नित किए गए हैं। राजस्थान में पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक, शारदा-यमुना लिंक, यमुना-राजस्थान लिंक और राजस्थान-साबरमती लिंक की फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार हो चुकी है। विधायक भैरा राम चौधरी के प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि मारवाड़ क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाओं की रिपोर्ट आने के बाद बजट प्रावधान पर विचार किया जाएगा।

नए सहकारिता अधिनियम में गृह निर्माण सहकारी समितियों पर अंकुश के लिए किये जाएंगे विशेष प्रावधान - खर्रा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नया सहकारिता अधिनियम बनाया जाना प्रक्रियाधीन है। इस अधिनियम में गृह निर्माण सहकारी समितियों पर अंकुश के लिए विशेष प्रावधान किये जाएंगे ताकि निजी कॉलोनाइजरों द्वारा की जाने वाली अनियमितताओं को रोका जा सके। खर्रा ने कहा कि निजी क्षेत्र में विकसित की जाने वाली कॉलोनियां स्थानीय निकाय से अनुमोदन के बिना ही विकसित कर दी जाती हैं। इनमें आवश्यक सुविधाएं भी नहीं होती, जिसका नुकसान आमजन को उठाना पड़ता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नवीन सहकारिता अधिनियम में गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा विकसित की जाने वाली कॉलोनियों में समस्त आवश्यक सुविधाएं विकसित किया जाना अनिवार्य होगा तथा नियमों का उल्लंघन करने पर कठोर कार्यवाही के प्रावधान होंगे।

नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शुक्रवार को प्रश्नकाल में इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि गृह निर्माण सहकारी समितियों का पंजियन सहकारिता अधिनियम के अंतर्गत किया जाता है। वर्तमान में पंजिकृत गृह निर्माण सहकारी समितियों की अनियमितता पर कार्रवाई करने का विशेष प्रावधान नियमों में नहीं है। उन्होंने जानकारी दी कि 1990 से 1998 की अवधि के मध्य विकसित की गई निजी कॉलिनियों की सम्पूर्ण जानकारी जेडीए और समस्त नगर निकायों को उपलब्ध कराई गई थी। साथ ही, इस जानकारी की एक बुकलेट छपवाकर आमजन को भी आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध करवाई जाती थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद ऐसी कार्यवाही दुबारा नहीं की गई।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस संबंध में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि अवैध कॉलोनियों की समस्या केवल बगरू की नहीं पूरे राज्य की है। इनके लिए नियम और दिशा-निर्देश तय किये जाने चाहिये। साथ ही, आम जन को भी जागरुक किया जाना चाहिये।

इसके बाद खर्रा ने सदन को आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा विकास प्राधिकरणों, नगरीय निकायों, नगर परिषदों, नगर पालिकाओं आदि के क्षेत्राधिकार में विकसित होने वाली कॉलोनियों में किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो इसके लिए नए दिशा-निर्देश बनाए जाएंगे, ताकि जिम्मेदारों की जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, कॉलोनाइजर द्वारा सुविधाएं विकसित करना भी आवश्यक किया जाएगा।

इससे पहले विधायक कैलाश चन्द वर्मा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण के क्षेत्राधिकार में बगरू विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण के दौरान एवं प्राप्त शिकायतों पर नवीन अवैध एवं गैर-अनुमोदित कॉलोनिया संचालित होना पाये जाने पर जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जाती है। उन्होंने गत एक वर्ष में ध्वस्त की गई कॉलोनियों की सूची सदन के पटल पर रखी। खर्रा ने बताया कि भू-माफियाओं द्वारा अवैध कॉलोनियां विकसित किये जाने पर नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्यवाही कर राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 177 के तहत कार्यवाही की जाती है।

राज्यपाल ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का प्रभावी संचालन कर जरुरतमंदों का करें उत्थान-राज्यपाल बागडे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जैसलमेर जिले में केन्द्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का जरुरतमंदों को लाभ पहुंचा कर उनके आर्थिक जीवन स्तर में सुधार लायें। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारियों को पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करना है ताकि विकास के नये आयाम स्थापित हो।

राज्यपाल बागडे ने शुक्रवार को जैसलमेर जिला कलक्ट्री सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं और कार्यक्रमों की अद्यतन प्रगति तथा प्राप्त उपलब्धियों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाएं बहुत ही महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने इस दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्वामित्व योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (जलग्रहण घटक), पुनरुत्थान वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस), सॉयल हैल्थ कार्ड योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, उद्यान विभाग की योजनाएं, नेशनल इम्यूनिजेशन प्रोग्राम (यूआईपी), शिक्षा विभाग, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री खनन श्रेत्र योजना, पशुपालन विभाग एफ एम डी सी पी-3 वैक्सीनेशन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना/जीवन ज्योति बीमा योजना, ई-नाम परियोजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, सहित केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं में लक्ष्यों की समय पर उपलब्धि हासिल कर जरुरतमंदों को राहत प्रदान करें। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सीमावर्ती जिले में सुरक्षा का प्रभावी ढंग से पर्यवेक्षण करें एवं सम सामयिक हालातों पर विशेष नजर रखें।

प्रदेश के भू-जल संसाधनों के बेहतर संरक्षण और प्रबंधन के लिए उठाये जायेगे सभी आवश्यक कदम- भू-जल मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। भू-जल मंत्री कन्हैया लाल ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि भू-जल विभाग के जोधपुर एवं बीकानेर संभाग में रिक्त पदों को भरने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि यहाँ पुरानी हो चुकी भू-जल वेधन मशीनों को रिपेयर कराकर इनका समुचित संचालन सुनिश्चित किया जायेगा।भू-जल मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि भू-जल विभाग ड्रिलिंग कार्य के अतिरिक्त प्रदेश के भू-जल संसाधनों का आंकलन, संरक्षण और प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी करता है,इसलिए विभाग को समायोजन करने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उन्होंने कहा कि भू-जल विभाग द्वारा प्रदेश में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं राज्य सरकार के पेयजल स्रोतों व विभिन्न पुनर्भरण संरचनाओं का संचयन, भू-जल संसाधनों का रासायनिक विश्लेषण व सर्वेक्षण, भू-जल स्तर में परिवर्तन का मापन, कृत्रिम भू-जल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण जैसे आदि कार्य किये जाते है। इससे पहले विधायक अंशुमान सिंह भाटी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में भू-जल मंत्री ने बताया कि जोधपुर एवं बीकानेर संभाग मे भू-जल वेधन के लिए रोटरी वेधन इकाई तथा डीटीएच वेधन इकाई के लिए क्रमश- 125 मीटर तथा 500 मीटर वेधन का प्रतिमाह लक्ष्य निर्धारित है। प्रत्येक रोटरी वेधन इकाई के समुचित संचालन हेतु विभागीय नॉमर्स के अनुसार 13 कर्मचारियों की आवश्यकता रहती है। मीडियम तथा लो ड्यूटी डीटीएच वेधन इकाईयों हेतु विभागीय नॉमर्स 8 कर्मचारियों का हैं।

सांसद राव ने किया जन औषधि केंद्र का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस) जन आरोग्य दिवस के अवसर पर उप जिला चिकित्सालय स्थित जन औषधि केंद्र का सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने पूर्व विधायक निर्मल कुमावत के साथ प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर सांसद जन औषधि केंद्र पर निरीक्षण कर दवाइयां की गुणवत्ता व स्टॉक की जानकारी लेकर लाभार्थियों से संवाद किया । इस पर लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया । वहि सांसद राव राजेन्द्र सिंह व राष्ट्रीय परिषद सदस्य निर्मल कुमावत द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में जाकर पर्ची काउंटर,दवा वितरण केंद्र, प्रयोगशाला, ईसीजी एवं चिकित्सक कक्ष का निरीक्षण कर मरीजों व परिजनों से चर्चा कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोककल्याणकारी परियोजना के तहत कम खर्च में उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां जन औषधि केन्द्र से खरीदने का आह्वान किया। वहीं पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत और सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इस पहल पर शुरू किए गए जन औषधि केंद्र लोगों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराने में मदद कर रहे हैं । जिससे चिकित्सा सुविधा अधिक किफायती बन रही है । इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रणव कयाल,ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी राज चौधरी, चिकित्सा प्रभारी डॉ धर्मेंद्र भांभू,औषधी नियंत्रण अधिकारी पूनम महिंद्रा, केमिस्ट एसोशिएशन अध्यक्ष आलोक तिवारी,नेता प्रतिपक्ष संजय पारीक, व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहूजा,पार्षद व पूर्व मंडल अध्यक्ष महावीर जैन, सुमित्रा नाथावत सहित स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे । मंच संचालन भाजपा उपाध्यक्ष सुरेश कुमार सैनी ने किया।

संत दादूदयाल जयंती पर श्री दादू वाणी जी की शोभायात्रा का जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

नरैना (निसं)। विख्यात दादू मेले के चतुर्थ दिवस पर श्री दादू वाणी जी शोभायात्रा में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बैंड-बाजे की भक्तिमय धुनों पर दादू भक्त नृत्य करते हुए चल रहे थे। वहीं अखाड़ों के अखाड़ेबाज हैरतअंगेज कला प्रदर्शन कर रहे थे। शोभायात्रा का जगह-जगह पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। वहीं बस स्टैंड पर विश्व हिन्दू परिषद् के जिलाध्यक्ष डॉ. पुखराज स्वामी ने श्री दादू वाणी जी के पुष्प अर्पित कर पीछे सवार दादू पीठाधीश्वर ओमप्रकाश दास महाराज का माला पहनाकर भक्ति भाव से अभिनंदन किया। इस दौरान बस स्टैंड व्यापार मंडल के पदाधिकारियों व व्यापारियों ने भी पीठाधीश्वर का सम्मान किया। बस स्टैंड पर टीम दादू क्लब की तरफ से ओमप्रकाश दास महाराज का जावेद भाटी ने माला पहनाकर व दुशाला ओढ़ाकर कर फलों से तौलकर स्वागत किया। नगरपालिका कार्यालय के बाहर पालिका अध्यक्ष सावित्री देवी स्वामी ने कार्मिकों व पार्षदों के साथ पीठाधीश्वर ओमप्रकाश दास महाराज का स्नेह भाव से अभिनंदन किया। इनके अलावा शोभायात्रा में जगह-जगह पर कस्बेवासियों ने दादू पीठाधीश्वर का माला पहनाकर स्वागत किया। शोभायात्रा को दादू मंदिर से निकलकर नगर भ्रमण कर पुनः दादू मंदिर आने में लगभग साढ़े पांच घंटे लग गए। शोभायात्रा के दौरान संत पूरणदास महाराज के शिष्यों द्वारा बनाई गई आठ हजार लीटर की लस्सी सहित अन्य भक्तों के द्वारा फलाहार आदि की व्यवस्था की गई। शोभायात्रा के मंदिर परिसर में पहुंचने पर महाआरती का आयोजन हुआ। इस दौरान भीड़ को नियंत्रित करने व मेले की सुचारू व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस जाब्ता जगह जगह पर तैनात रहा। वहीं जल आपदा से निपटने के लिए एसडीआरएफ की टीम खड़ी नजर आई। मेले में पधारे श्रद्धालुओं ने सुबह की प्रसादी विभिन्न अखाड़ों में जाकर ग्रहण की। वहीं सांयकाल पंगत मैदान में प्रसादी ग्रहण की। मेले के दौरान जगह-जगह पर भीड़ व वाहनों की रेलमपेल नजर आई।

राज्यपाल बागडे ने प्राचीन शक्तिपीठ मां तनोट राय के दर्शन कर सभी की खुशहाली और मंगल की कामना की

आस्था और शौर्य का अद्भुत प्रतीक है तनोट माता मंदिर -

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को भारत पाक सीमा पर स्थित प्राचीन शक्तिपीठ मां तनोट राय के दर्शन कर पूजा अर्चना की एवं समस्त प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा तनोट माता मंदिर आस्था और शौर्य का अद्भुत प्रतीक है। यह मंदिर विषम परिस्थितियों में देश की रक्षा में तैनात जवानों की अटूट श्रद्धा का केंद्र है। इस दौरान तनोट माता परिसर स्थित विजय स्तंभ पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। वहीं, राज्यपाल श्री बागडे ने विजय स्तम्भ पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर राज्यपाल को उपमहानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल नॉर्थ योगेंद्र सिंह राठौड़ ने उनका स्वागत किया एवं तनोट माता की तस्वीर भेंट की।

सीमा सुरक्षा बल के जवानों की हौसला अफजाई की

राज्यपाल बागडे इसके पश्चात अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बावलियांवाला चौकी पहुंचे और वहां पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से मुलाकात की ।

विषम परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सैनिकों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि इन वीर जवानों के साहस और त्याग की बदौलत ही हम सभी देशवासी चैन की नींद सो पाते हैं। राज्यपाल ने बावलियांवाला चौकी पर सैनिकों से संवाद कर परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि आपके बीच आकर मैं अपने आप में एक नई ऊर्जा का एहसास कर रहा हूं। साथ ही, यह पल मेरे लिए सदा एक यादगार पल रहेगा। इस दौरान उन्होंने सैनिकों की हौसला अफजाई की एवं उनके साथ पूरी आत्मीयता दिखाई। उन्होंने सैनिकों को सम्मान स्वरूप फल और मिठाई भेंट की।

सीमा सुरक्षा बल पर पूरे देश को है गर्व

राज्यपाल ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल देश की पहली रक्षा पंक्ति है। सीमा सुरक्षा बल के जवान हर जगह सतर्क और सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। किसी भी तरह की चुनौतियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हर दम तैयार है।

राजस्थान रोडवेज की समीक्षा बैठक: सेवा सुधार और प्रशासनिक मजबूती पर जोर, प्रयागराज महाकुंभ में रोडवेज कर्मियों की सेवा सराहनीय, समर्पण ही हमारी ताकत : अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक अध्यक्ष शुभ्रा सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को निगम मुख्यालय में आयोजित की गई जिसमें प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। शुभ्रा सिंह ने बैठक में कहा कि मैनपावर की समस्याएं, मुख्य प्रबंधकों की शक्तियों से जुड़े मुद्दे, पेंशन संबंधी चुनौतियां और अन्य प्रशासनिक बाधाएं अब काफी हद तक सुलझा ली गई हैं। उन्होंने हाल ही में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले के दौरान रोडवेज बस चालकों और परिचालकों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की और कहा कि उनकी समर्पित सेवा से यात्रियों को सुगम आवागमन प्राप्त हुआ। उन्होंने अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपनी कार्यकुशलता को और निखारें तथा निगम को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

बैठक में प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा ने भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए निगम संचालन से जुड़े कई अहम निर्देश जारी किए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निगम की सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।बैठक में अनुक्रमांक नियुक्ति शाखा के लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की गई और इनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए।

संपादकीय .....

पंजाब के किसानों का उबाल दमन नहीं, संवाद से थमेगा

पंजाब में आम आदमी पार्टी की नाकामयाबियां, अप्रभावी प्रशासन कौशल, असंवाद, हठधर्मिता एवं दमनात्मक कदमों से अराजकता एवं अशांति का वातावरण उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर 'आप' पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली 'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है। जैसी करनी वैसी भरनी-यही हश्र हो रहा है आप सरकार की कथनी और करनी में फर्क की राजनीति का। पंजाब की आप सरकार पहले किए गए कई चुनावी वादों को पूरा करने नाकाम रही है, हालांकि, नाटकीयता के प्रति उसकी प्रवृत्ति के अलावा, सभी चुनावी वादे एवं घोषणाएं काफी हद तक असफल रही है। पंजाब में मान सरकार के खिलाफ नाराज किसानों ने मोर्चा खोल दिया है, 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के लिए कूच करने वाले किसानों को भले ही पुलिस ने रोक दिया, चंडीगढ़ की सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी हो और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हो। लेकिन बातचीत की बजाय ऐसे दमनात्मक तरीकों से किसान अधिक भडकेंगे। सवाल यह है कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है? पंजाब में हालात अनियंत्रित, जटिल, अराजक एवं अशांत होते जा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जिन हालातों को दिल्ली की जनता ने लम्बे समय तक झेला, वे ही हालात अब पंजाब के हो रहे हैं। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त एवं आक्रामक बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि 'आप' सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है या समस्याओं से निपटने में उसकी नाकामी को दर्शाता है? बड़ी-बड़ी आदर्श की बातें करने वाली आप पार्टी का दोगला चरित्र ही उजागर हो रहा है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत एवं जन-जन का सच्चा हितैषी माना जाता रहा है, अब खुद को प्रमुख हितधारकों- किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है।

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी से लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं

हम विश्व में लगातार कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाते आ रहे हैं, महिलाओं के सम्मान के लिए घोषित इस दिन का उद्देश्य सिर्फ महिलाओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान बताना है। इसलिए इस दिन को महिलाओं के आध्यात्मिक, शैक्षिक, आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। नारी मानव जाति के लिए जननी का रूप है। कहा जाए तो जननी ही नारी है और नारी ही जननी है। नारी शक्ति या मातृशक्ति का इस संसार को आगे बढ़ाने में अहम् योगदान है। बिना नारी के इस दुनिया की कल्पना नहीं की जा सकती। अगर नारी नहीं होगी तो इस संसार का विकास नहीं हो पायेगा। नारी ही एक पुरुष को जन्म देती है, तभी नारी की सहन करने की शक्ति यानी सहनशक्ति का अहसास होता है कि वह इस संसार में कितनी मजबूत शक्ति है। आज उसी ही मजबूत नारी शक्ति पर कुछ मानसिक रूप से विक्षिप्त पुरुषों (ऐसे पुरुष जो नारी शक्ति को अपने उपभोग की वस्तु समझते हैं) द्वारा बलात्कार जैसी घटनाएं होती हैं। ऐसे पुरुषों द्वारा नारी को शारीरिक शोषण द्वारा हमेशा लज्जित किया जाता है, यह चीज समस्त मानवजाति को शर्मसार करती है। कुछ पुरुषों के ऐसे कृत्यों द्वारा बाकी के साफ-सुथरी छवि के पुरुषों को भी शर्मसार होना पड़ता है। आज जरूरत है महिलाओं और छोटी छोटी बच्चियों के खिलाफ बलात्कार जैसी होनी वाली घटनाओं पर लगाम लगाई जाए। ये तभी हो सकता है जब बलात्कार जैसे कृत्यों के खिलाफ मानव जाति एकजुट होकर फैंसला ले और जो लोग दोषी पुरुषों का साथ देते हैं ऐसे लोगों का भी समाज पूर्ण रूप से बहिष्कार करे। इसके साथ ही आज जरूरत है कि बलात्कार जैसे कृत्यों के खिलाफ सरकारें एक कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान करें और बलात्कार जैसे मामलों की फास्टट्रैक कोर्ट द्वारा त्वरित कार्यवाही हो। जिससे कि दूसरे लोग भी ऐसे कृत्य करने से पहले सौ बार सोचें। तभी मानव जाति और समाज के स्तर को उठाया जा सकता है।

आज अपने समाज में नारी के स्तर को उठाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत है महिला सशक्तिकरण की। महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं की आध्यात्मिक, शैक्षिक, सामजिक, राजनैतिक और आर्थिक शक्ति में वृध्दि करना, बिना इसके महिला सशक्तिकरण असंभव है। आज हर महिला समाज में धार्मिक रूढ़ियों, पुराने नियम कानून में अपने आप को बंधा पाती है। पर अब वक्त है कि हर महिला तमाम रूढ़ियों से खुद

को मुक्त करे। प्रकृति ने औरतों को खूबसूरती ही नहीं, दृढ़ता भी दी है। प्रजनन क्षमता भी सिर्फ उसी को हासिल है। भारतीय समाज में आज भी कन्या भ्रूण हत्या जैसे कृत्य दिन-रात किए जा रहे हैं। पर हर कन्या में एक मां दुर्गा छिपी होती है। यह हैरत की बात है कि दुर्गा की पूजा करने वाला इंसान दुर्गा की प्रतिरूप नवजात कन्या का गर्भ में वध कर देता है। इसमें बाप, परिवार के साथ समाज भी सहयोग देता हैं। आज जरूरत है कि देश में बच्चियों को हम वही आत्मविश्वास और हिम्मत दें जो लड़कों को देते हैं। इससे प्रकृति का संतुलन बना रहे। इसलिए जरूरी है कि इस धरती पर कन्या को भी बराबर का सम्मान मिले। साथ ही उसकी गरिमा भी बनी रहे। इसलिए अपने अंदर की शक्ति को जागृत करें और हर स्त्री में यह शक्ति जगाएं ताकि वह हर विकृत मानसिकता का सामना पूरे साहस और धीरज के साथ कर सके। एक नारी के बिना किसी भी व्यक्ति जीवन सृजित नहीं हो सकता है। जिस परिवार में महिला नहीं होती, वहां पुरुष न तो अच्छी तरह से जिम्मेदारी निभा पाते हैं और ना ही लंबे समय तक जीते हैं। वहीं जिन परिवारों में महिलाओं पर परिवार की जिम्मेदारी होती है, वहां महिलाएं हर चुनौती, हर जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से निभाती है और परिवार खुशहाल रहता है। अगर मजबूती की बात की जाए तो महिलाएं पुरुषों से ज्यादा मजबूत होती हैं क्योंकि वो पुरुषों को जन्म देती हैं।

भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त भारत के मौलिक के मौलिक अधिकारों के अंतर्गत सभी को अनुच्छेद 14-18 के अंतर्गत समानता का अधिकार दिया गया है। जो कि महिलाओं और पुरुषों को बराबरी का अधिकार देता है। इसके अन्तर्गत यह भी सुनिश्चित किया गया है कि राज्य के तहत होने वाली नियुक्तियों और रोजगार के संबंध में किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाएगा। और संविधान द्वारा मौलिक अधिकारों के अन्तर्गत दिये गया समानता का अधिकार भारतीय राज्य को किसी के भी खिलाफ लिंग के आधार पर भेदभाव करने से रोकता है। देष में महिलाओं के उत्थान और सशक्तीकरण को देखते हुए हमारे संविधान को 1993 में संशोधित किया गया। 73वें संशोधन के जरिये संविधान में अनुच्छेद 243ए से 243ओ तक जोड़ा गया। इस संशोधन में इस बात की व्यवस्था की गई कि पंचायतों और नगरपालिकाओं में कुल सीटों की एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित होंगी। इस संशोधन में इसकी भी व्यवस्था की गई कि पंचायतों और नगरपालिकाओं में कम से कम एक तिहाई चेयरपर्सन की सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित हों। पंचायती राज संस्थानों द्वारा महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने में सकारात्मक कार्यवाही से महिलाओं के प्रतिनिधित्व में तेजी से वृद्धि हुई है। वास्तव में देखा जाए तो देशभर में पंचायतों में चुनी गई महिलाओं का प्रतिनिधित्व 40 प्रतिशत हो गया है। कुछ राज्यों में पंचायतों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। बिना प्रतिनिधित्व के महिलाओं का सशक्तिकरण असंभव है। जब तक महिलाओं को प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाएगा तब तक हम महिलाओं के सशक्तिकरण की कल्पना नहीं कर सकते।

नए संसद भवन में 20 सितंबर 2023 को नारी शक्ति वंदन विधेयक लोकसभा में पास हुआ था। लोकसभा में पास होने के बाद 21 सितंबर 2023 को यह नारी शक्ति वंदन विधेयक राज्यसभा से भी पारित होने के बाद राष्ट्पति द्रौपदी मुर्मू ने इस विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। आने वाले सालों में कानून के अमल में आने बाद लोकसभा और विधानसभा में बहुत कुछ बदल जाएगा। लेकिन नारी शक्ति वंदन अधिनियम की सबसे बडी कमी है कि इसके अन्तर्गत पिछडे और आदिवासी वर्ग की महिलाओं को अलग से कोटा नही दिया गया है। अगर इसके अन्तर्गत पिछड़े और आदिवासी वर्ग की महिलाओं को अलग से कोटा दिया जाता तो पिछडे और दबे कुचले वर्ग की महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी आने वाले सालों में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में बढ पाता। इसके लिये सरकार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसके अन्तर्गत पिछड़े और आदिवासी वर्ग की महिलाओं के लिये कोटे की व्यवस्था आने वाले समय में करनी चाहिये। कोई भी राष्ट्र महिलाओं के बिना शक्तिहीन है। क्योंकि राष्ट्र को हमेशा से महिलाओं से ही शक्ति मिलती है। किसी भी जीवंत और मजबूत राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण है। महिलाओं की राजनैतिक भागीदारी से लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती है।

आज जरूरत है कि समाज में महिलाओं को अज्ञानता, अशिक्षा, कूपमंडूकता, संकुचित विचारों और रूढ़िवादी भावनाओं के गर्त से निकालकर प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए उसे आधुनिक घटनाओं, ऐतिहासिक गरिमामयी जानकारी और जातीय क्रियाकलापों से अवगत कराने के लिए उसमे आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, राजनैतिक चेतना पैदा करने की। जिससे की नारी पुरुषों के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर समाज को आगे बढ़ाने में सहयोग कर सके। साथ-साथ आज जरूरत है कि समाज की जितनी भी रूढ़िवादी समस्याएं हैं हमें उनका समाधान खोजते हुए हठधर्मिता त्याग कर शैक्षिक, सामाजिक, सोहद पूर्ण, व्यावसायिक और राजनैतिक चेतना का मार्ग प्रशस्त करते हुए महिलाओं के सामाजिक उत्थान का संकल्प लेना चाहिये।

– ब्रह्मानंद राजपूत

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार

समसामयिक

माँ गुर्जरी पन्ना, धाय नही मेवाड़ महतारी थी

गुर्जर मां पन्ना साक्षात एक देवी का अवतार थी वो धाय नही थी। पन्ना के वक्त इतिहास में किसी भी रजवाड़े में धाय जैसी परम्परा विध्यमान थी ही नही। पन्ना के सुनहरे इतिहास के बाद धाय शब्द उपजाया ओर उनकी वीरता से धाय परम्पराये चली। न राणा सांगा के कोई धाय थी न उनके पिता रायमल के न राणा सांगा के पुत्र रतनसिंह,भोजराज और विक्रम के धाय थी। प्रताप के भी किसी धाय का जिक्र नही है विचारणीय ओर शोध का विषय है फिर केवल उदय के धाय कहा से हो गयी।

साहसी वीर प्रसूता मां पन्ना के इतिहास को बोना करने व चन्दन के हकीकत बिलिदान के इतिहास को बदलने चारण भाटो को दुगाली दे ये धाय शब्द की किदवंतीया बहुत बाद में चलाई गयीं।

पन्ना मेवाड़ सेना के प्रशिक्षक ओर सलाहाकार हरचन्द हाकला की इकलौती सन्तान थी जो चितोड़ के नजदीक पंडौली गाव के रहने वाले थे। पन्ना का जन्म 8 मार्च 1590 को हुवा था। हरचंद ने पन्ना को बेटे की तरह पाला और शिक्षित किया। सैनिक की तरह अश्व,तीर,तलवार का प्रशिक्षण दिया व बलिष्ठ और निडर बनाया। पन्ना शस्त्र ओर शास्त्र में निपुण थी। हरचन्द गुर्जर ने पन्ना की शादी राणा सांगा के निजी अंगरक्षक व आमेट ठिकाने के अधीन कमेरी परगना के स्वजातीय वीर बहादुर सैनिक सुरजमल चौहान से की। शादी के बाद पन्ना कुछ दिन कमेरी उसके बाद वो चितौड़ अंगरक्षक महल में अपने पति के पास आ गयी।निजी अंगरक्षक का महल मुख्य महल के सबसे करीब होता है। चूंकि सुरजमल राणा सांगा के सबसे विश्वास पात्र थे अब वे हरचन्द के दामाद बन गये थे। हरचन्द ओर राणा सांगा के घनिष्ठता थी इसलिए पन्ना और सुरजमल राजमहल में परिवारिक सदस्यों की तरह थे।

पन्ना वीर बहादुर बलिष्ठ ओर शस्त्र विधा में निपुण तो थी ही वो पढ़ी लिखी और निडर भी थी। जब राणा शिकार, युद्ध, राज्य भृमण अथवा अन्य कार्यो से बाहर जाते तो अंगरक्षक सुरजमल भी साथ रहते। पिछे महिलाये अकेली रहती तो रानी कर्मावती पन्ना को अपने पास रखती जिसका दो कारण थे एक तो यह कि पन्ना सैनिक की तरह बहादुर और निपुण थी दुशरा राजपरिवार परिवारिक व रिस्तेदारो के भितरघात से डरता था। पन्ना साये की तरह कर्मावती के साथ रहती और धीरे धीरे दोनों के मध्य प्रेम और विश्वास प्रगाढ़ हो गया। समय उपरांत दोनों के कुछ अंतराल में पुत्र हुये। कर्मावती के पुत्र का नाम उदयसिंह ओर पन्ना के पुत्र चन्दन नाम से इतिहास में प्रख्यात है। दोनों साथ खेले पले व बड़े हुये दोनों दोस्त और भाई की तरह थे। मध्यभारत के रजवाड़ो में एक ही युद्ध ऐसा था जिसको अलग अलग घरानों ने मिल कर राणा सांगा के नेतृत्व में लड़ा गया वो था खानवा का युद्ध। इस युद्ध मे रजवाड़ो की तीन पीढियां एक साथ खप गई, बड़ी ही जनहानि हुई। रियासतों व ठिकानों के अधिकतर नोजवान इस युद्ध मे मारे गये। और अंत मे भारी मानव क्षति पर आपसी विद्रोह भी हुआ जिसमे राणा सांगा को भी जान गवानी पड़ी और रानी कर्मावती को अपनी जीवन लीला समाप्ति पर वो अपने पुत्र उदय को अपने

रिस्तेदारो पीहर ओर परिवारजनों की बजाय सबसे विश्वास पात्र पन्ना को सम्भला के गयी। जिसका कारण धाय नही था बल्कि सामन्तो द्वारा सांगा की हत्या पीहर पक्ष बूंदी द्वारा बड़े कुँवर भोज की हत्या। आपसी वैमनस्य में रतन सिंह की हत्या का उदाहरण उनके सामने थे और चितोड़ परिवार में भी खानवा युद्ध मे क्षति पर शासन के खिलाफ उपजे आक्रोश से कर्मावती विक्रम ओर उदय को लेकर चिंतित थी। अंत समय मे पन्ना के अलावा दूसरा कोई सहारा नही दिखा इसलिये वो पन्ना से वचन ले कर गयी की चितोड़ की गद्दी पर विधर्मी न बैठे व मेरे बेटों का ख्याल रखना महल छोड़ मत जाना इनको अपने बेटों की तरह मानना।

समय उपरांत वही हुवा जो कर्मावती को डर था। दासी पुत्र बनवीर व परिजनों ने धोखे से गद्दी पर बैठे उन्नीस वर्षीय विक्रम की ओर बालक उदयसिंह की सम्भवतः हत्या कर बनवीर गद्दी पर बैठ गया। सम्भवतः ये बहुत बाद जान बूझकर लिखवाया गया कि उदयसिंह की जगह बनवीर ने शराब के नशे में पन्ना के पुत्र चन्दन को मार दिया। पन्ना उदयसिंह को लेकर महल से निकल गई। क्या ये बात गले उतरने वाली है। दस साल तक निर्भय शासन करने वाला धूर्त,चतुर ओर चालाक बनवीर जिसने पूरे अंदुरुनी शासन व्यवस्था को मैनेज कर इतना बड़ा सोच समझ योजना बन्द तरीके से सत्ता हथियाई हो वो शराब पीकर ऐसी भूल करता,कितना शातिर ओर परिपक्क था वो जो दस शाल अडींग राज करता रहा और मध्य भारत के किसी राजपरिवार की हिम्मत नही हुई जो दासी पुत्र के सामने खड़ा हो सके। दूसरा उदयसिंह आठ साल का था। चितोड़ महल पहाड़ी पर है युद्ध मे हार जीत होती है पर विक्रम राजा था और उदय राजकुमार उनका अंतिम संस्कार भी हुवा होगा राज परिवार की परंपराओं से परिवार जन रिस्तेदार भी रहे होंगे। मीरा को उस वक्त कुल नासी शब्द पर चितोड़ छोड़ कांशी जाना पड़ा उन के लिए पूरा परिवार खत्म होने पर ये समाज की ओर से लांछन लगा। लोग कहे मीरा भई बावरी, न्यात (समाज) कहे कुल नाशी,,। सम्भवतः उदय के साथ पूरा परिवार खत्म होने पर ही ये शब्द कहे जा सकते है। हकीकत जब उदयपुर के ख्यात इतिहासकार डॉ गोपाल व्यास ने लिखी तो वर्षो की छुपाई हुई अजस्त्र साधना तार तार हो गयी। उन्होंने लिखा है गद्दी पर बैठा वो चन्दन था उदय की हत्या हो गयी थी। बहुत कुछ छुपा है। जब मैने बार बार मेवाड़ इतिहास और पन्ना इतिहास पर नजर डाली कमेरी, पाण्डोली, देवपुरा, कुम्भलगढ़ ओर उदयपुर बार बार घूमे तो दबी जुबान इतिहास बाहर निकला। जब कमेरी में राज्य सरकार से हमने 1916 में पैनोरमा बनवाया तो वहाँ चन्दन ओर पन्ना की आदिवासी जैसी मूर्तिया बनवाई गई पर हमने वो लगने नही दी। जब उदयपुर झील पर पन्ना गेलेरी बनी तब इतिहास बदलने का षड्यंत्र सफल नही हो पाया। पिछले दिनों उदयपुर पिछोला झील पर पन्ना की विशाल मूर्ति में राजनीति का हमने पटाक्षेप कर पूरा इतिहास लिखवाया तब जा कर उद्धघाटन कर सके देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। पन्ना को बूंदी, डूंगरपुर आमेट में शरण तक नही मिली जब उसने मन की बात बताई वरना ननिहाल में बालक को कौंन नही रखता, पन्ना को ससुराल के पड़ोसी गाव देवपुरा के आशासाह ने कुंभलगढ़ में इसलिये रखा क्यो की बनवीर उनकी किलेदारी छूटाना चाह रहा था इसलिये बनवीर आंखों में खटक रहा था और पन्ना को अपनी सखी महारानी के कलेजे के टुकड़े का प्रतिशोध लेना था। दोनों के मंसूबे मिले तो वे अपनी योजना में सफल हो पाये। इसलिये पन्ना ने ही अपनी पूरी ऊर्जा से पुत्र को शस्त्र ओर शास्त्र में निपुन बनाया। ओर बलिष्ठ बना कर तैयार किया बनवीर का वध करने। आखिर तथाकथित उदयसिंह की शादी में पन्ना को सिरोही क्यो बुलाया, उनको पता था एकदिन राज खुला तो बेटी महारानी नही बन पायेगी। ओर पन्ना ने यही कहा मै शपथ पूर्वक कहती हूँ ये चितौड़ का भावी शासक है ये नही कहा ये उदय है या चन्दन। जूठे कटोरे में साथ दूध पीने वाले जूठे कासे में भोजन से क्या गुरेज करते। गुर्जरो ने वर्षो इस धरती पर राज किया ये कोई अछूत नही जो कोई जाति इनके साथ भोजन न कर सके।बहुत लज्जित किया गया पन्ना को, जब चितोड़ पर हमला किया तो रावत भील गुर्जर ही थे दूसरे रजवाड़े नही गए क्यो। पन्ना ने बेटे को चितोड़ फतेह के बाद भी उन्हें चितोड़ नही छोड़ा वापिस कुम्भलगढ़ ले आई क्यो? पन्ना खुद राजमहल छोड़ जंगल मे कुटिया में चली गयी ताकि ये राज राज ही रहे। अकबर के सामने प्रताप का राजपूत रजवाड़ो ने साथ नही दिया सबके मन मे ग्लानि थी। मेवाड़ स्टेट ने आज तक चन्दन ओर पन्ना का स्मारक नही बनवाया क्यों? ऐसी क्या परिस्थितियां आई । धरती पर ऐसा दूसरा कोई पर्याय भी नही। आजादी बाद कि पन्ना ओर चन्दन के सुनहरे इतिहास को आगे लाने के बाद जब 36 बिरादरी शिक्षित हुई तो एक समाज द्वारा कभी पन्ना को दासी कभी धाय कभी दाई ओर अंत मे राजपूत खिंची लिखा ताकि सचाई सामने भी आये तो बात समाज की रहे। खेर जीवित चन्दन रहा हो या उदय पर पन्ना ने जो उस काल खण्ड में उस क्रूर शासन व्यवस्था में एक महिला होते हुये जो किया वो अन्य किसी के लिये सम्भव नही था। चन्दन का बलिदान भी दोनों में से कैसा भी रहा हो वो अमर है। पन्ना धाय, दासी नही थी वो वीर प्रसूता गुर्जरी माता थी और मेवाड़ की महतारी थी।

पन्ना तू पत्थर नही,पन्ना थी,
मेवाड़ हित,निज सुत दियो उपहार,,
तू जीती, तेरा जिद्द जीता,
पड़ी रही राठौड़ी म्याना तलवार,,
लड़ी गुर्जरी बन मर्द,
दासी पुत्र रा दासा था धिकार,

- लेखकः महावीर पोसवाल

राष्ट्रीय अध्यक्ष,पथिक सेना

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

पन्ना मेवाड़ सेना के प्रशिक्षक ओर सलाहाकार हरचन्द हाकला की इकलौती सन्तान थी जो चितोड़ के नजदीक पंडौली गाव के रहने वाले थे। पन्ना का जन्म 8 मार्च 1590 को हुवा था। हरचंद ने पन्ना को बेटे की तरह पाला और शिक्षित किया। सैनिक की तरह अश्व,तीर,तलवार का प्रशिक्षण दिया व बलिष्ठ और निडर बनाया। पन्ना शस्त्र ओर शास्त्र में निपुण थी। हरचन्द गुर्जर ने पन्ना की शादी राणा सांगा के निजी अंगरक्षक व आमेट ठिकाने के अधीन कमेरी परगना के स्वजातीय वीर बहादुर सैनिक सुरजमल चौहान से की। शादी के बाद पन्ना कुछ दिन कमेरी उसके बाद वो चितौड़ अंगरक्षक महल में अपने पति के पास आ गयी।निजी अंगरक्षक का महल मुख्य महल के सबसे करीब होता है। चूंकि सुरजमल राणा सांगा के सबसे विश्वास पात्र थे अब वे हरचन्द के दामाद बन गये थे।

मेघा बरसेंगे में शॉकिंग अवतार में लौटे किंशुक महाजन

टीवी शो मेघा बरसेंगे में किंशुक महाजन अब एक नए और शॉकिंग अवतार में नजर आएंगे। इस शो में कभी चालाक और बेहद खतरनाक रहे मनोज में अब एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन क्या मेघा इस बात को अपना पाएगी या नहीं।

क्या वाकई में बदल गया है मनोज

मेघा बरसेंगे में एक चालाक खलनायक रहे मनोज अब पूरी तरह से बदले नजर आए। मनोज के स्वभाव में अब बिल्कुल एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन मोनज के स्वभाव में यह बदलाब मेघा (नेहा राणा) और अर्जुन (नील भट्ट) के लिए एक नई चुनौती लेकर आती है, जो उनके नाजुक रिश्ते को और भी जटिल बना देती है। मेघा, जो पहले मनोज की याददाश्त खोने की बात पर शक करती है, लेकिन फिर धीरे-धीरे समझ जाती है कि मनोज अब सचमुच बदल गया है। लेकिन जब मेघा, मनोज की मासूमियत का इस्तेमाल अर्जुन को जलाने के लिए करती है, तो क्या वह अब सब कुछ खो देगी, जो उसके लिए अनमोल है?

किंशुक महाजन

इस शो में अपने कमबैक के बारे में किंशुक महाजन ने कहा, अभिनेताओं को एक ही शो में अलग तरह के दो किरदार निभाने का मौका शायद ही मिलता होगा। एक खलनायक से लेकर एक ऐसे व्यक्ति तक का सफर, जिसका दिमाग बचपन में अटक गया हो। मेरे लिए यह नया अवतार रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों ही है। आगे किंशुक ने कहा, यह सिर्फ एक किरदार का बदलाव नहीं है बल्कि यह एक बिल्कुल नया किरदार है, जिसके लिए एक अलग सोच, ऊर्जा और समझ की जरूरत है। मनोज के किरदार में मैंने वास्तविक जीवन के केस स्टडीज देखी, ताकि मैं समझ सकूं कि भावनात्मक रूप से समय में ठहर जाना क्या होता है।

अपने किरदार मनोज के बारे में किंशुक की राय

किंशुक ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मनोज एक अप्रत्याशित किरदार है। मुझे यकीन है कि मनोज की वापसी कहानी को अनोखा रूप देगी। मुझे उम्मीद है कि दर्शक शो के इस नए अवतार को उतना ही पसंद करेंगे, जितना मुझे इसे निभाने में आया। मेघा बरसेंगे एक ड्रामा सीरीज है, जिसका प्रीमियर 6 अगस्त 2024 को कलर्स टीवी पर हुआ था। सौरभ तिवारी द्वारा निर्मित इस शो में नेहा राणा, नील भट्ट और किंशुक महाजन महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस शो को आप हर रोज शाम सात बजे कलर्स पर देख सकते हैं।

लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी साइड रोल देते हैं प्रोडक्शन हाउस

ज्योतिका ने हिंदी और साउथ दोनों ही लैंग्वेज की फिल्मों में एक्टिंग की है। हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में वह नजर आईं। इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी चैलेंजिंग है। लेकिन अब तक के करियर में जो रोल उन्हें ऑफर हुए हैं, उससे उन्हें कहीं ना कहीं कुछ शिकायत भी है।

हीरो के सामने साइड रोल मिले

ज्योतिका ने हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए गए इंटरव्यू में बताया कि एक लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी उन्हें जब बड़े फिल्म मेकर्स, प्रोडक्शन हाउस कोई रोल देते हैं तो वह हीरो के सामने साइड रोल जैसा होता है। यह बहुत ही खराब बात लगती है। ज्योतिका को समझ नहीं आता है कि ऐसे फिल्म मेकर्स करते क्यों हैं?

डिब्बा कार्टेल में उम्दा एक्टिंग

वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी के साथ ज्योतिका को काम करने का मौका मिला है। यह सीरीज 28 फरवरी को ओटीटी पर स्ट्रीम हुई है। अपने रोल में ज्योतिका ने जान डाल दी है। लेकिन सीरीज से पहले शबाना ही नहीं चाहती थी कि ज्योतिका को रोल में लिया जाए। इस बात का खुलासा शबाना ने कुछ दिन पहले किया था।

शबाना ने बाद में एक्टिंग को सराहा

पिछले दिनों 'डिब्बा कार्टेल' के एक इवेंट में शबाना आजमी ने ज्योतिका से माफी मांगी। दरअसल, शबाना ने बताया कि वह दूसरी किसी एक्ट्रेस को ज्योतिका वाले रोल के लिए सजेस्ट कर रही थीं। लेकिन बाद में ज्योतिका की एक्टिंग देखकर वह उनकी कायल हो गई। वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' की बात की जाए है तो इसकी कहानी कुछ ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। इस शो में शबाना आजमी, ज्योतिका के अलावा शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी एक्ट्रेस भी नजर आएंगी।

अगले साल रिलीज होगी नानी स्टारर द पैराडाइज

निर्देशक श्रीकांत ओडेला की बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर 'द पैराडाइज' की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म से जुड़े एक वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने एक वीडियो के साथ बताया कि एक्शन फिल्म अगले साल 26 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'द पैराडाइज' के निर्माताओं ने प्रशंसकों के साथ एक वीडियो भी शेयर किया, वीडियो की शुरुआत एक कमेंट्री से होती है। महिला की आवाज है। वह कहती है, हर किसी ने तोते और कबूतर के बारे में लिखा है। फिर भी किसी ने कौवों की कहानी लिखने की हिम्मत नहीं की। यह उन कौवों की कहानी है, जो उत्पीड़न का शिकार हुए। महिला आगे कहती है, युगों से भटकती बेचैनी की गाथा। एक ऐसी जाति की कहानी जिसे मां के स्तन में दूध की जगह खून मिला। एक चिंगारी ने पूरे समुदाय में वीरता की चिंगारी जलाई। कौवे, जो कभी तिरस्कृत थे, उन्होंने तलवारों को हाथ में थामा। यह मेरे बेटे की कहानी है, जिसने सबको एकजुट किया और नेता बनकर उभरा। टीजर से यह स्पष्ट होता है कि फिल्म समाज से बहिष्कृत एक उत्पीड़ित वर्ग की कहानी है, जो बलवान नेता के नेतृत्व में अपनी लड़ाई लड़ता है।

द पैराडाइज के लिए दर्शक बेहद उत्साहित नजर आए। फिल्म निर्माता श्रीकांत ओडेला नानी के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। दोनों इससे पहले 'दसारा' में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में नानी के साथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अहम भूमिका में थीं। 'द पैराडाइज' के निर्माता सुधाकर चेरुकूरी हैं। इस फिल्म में देश के सबसे लोकप्रिय संगीत निर्देशकों में से एक अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत दिया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है और संपादन नवीन नूली करेंगे। विनय सागर जोन्नाला फिल्म के मुख्य सह-निर्देशक हैं, जबकि संवाद थोटा श्रीनिवास और अज्जू महाकाली ने लिखे हैं।

जान्हवी कपूर और राम चरण 'आरसी 16' के अगले शेड्यूल के लिये तैयार!

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर साउथ इंडियन अभिनेता राम चरण के साथ आगामी फिल्म 'आरसी 16' में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में पहले ही शुरू हो चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनो अब फिल्म के अगले शेड्यूल के लिए कमर कस रहे हैं। आइए जानते हैं फिल्म का अगला शेड्यूल किस शहर में शूट होगा।

इस शहर में शूट होगा अगला शेड्यूल

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक राम चरण और जान्हवी की फिल्म का अगला शेड्यूल कथित तौर पर नई दिल्ली में होने वाला है। हालांकि, फिल्म की टीम या अभिनेताओं की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं। इसे लेकर सिर्फ अटकलें लगाई जा रही हैं। एआर रहमान इस फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म के रिलीज की तारीख अभी तक तय नहीं हुई है।

अभिनेत्री प्रीति शुक्ला जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ फिल्म बयान में आएंगी नजर

टेलीविजन, वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से पहचान बना चुकीं वर्सटाइल एक्ट्रेस प्रीति शुक्ला जल्द ही बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी के साथ आगामी फिल्म बयान में नजर आने वाली हैं। अपने अभिनय के जुनून और हर माध्यम में खुद को साबित करने की चाहत के चलते प्रीति ने हमेशा चुनौतीपूर्ण किरदारों को चुना है। प्रीति शुक्ला ने अपने अभिनय करियर में कई दमदार भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने सोनी सब के चर्चित शो मैडम सर, एंड टीवी के बेगूसराय, और एमएक्स प्लेयर की लोकप्रिय वेब सीरीज माधुरी टॉकीज में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इसके अलावा, उनकी तेलुगु फिल्म बिग ब्रदर और हिंदी फिल्म एक अंक को भी खूब सराहना मिली। सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि प्रीति फैशन इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवा चुकी हैं। वे कई नामी ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं और पॉल एडम्स और लोटस हर्बल जैसे बड़े ब्रांड्स की ब्रांड एंबेसडर भी रह चुकी हैं। उनकी खूबसूरती और स्टाइल सेंस सोशल मीडिया पर भी छाया रहता है, जहां वे अपनी स्टनिंग तस्वीरों से फैंस का दिल जीतती हैं। इसके अलावा भी फैशन की दुनिया में उनकी अच्छी खासी पकड़ रही है। अब प्रीति जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ बयान में नजर आएंगी।

संदीप वांगा ने सलमान खान की इन फिल्मों की तारीफ की

फिल्म एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच उनका एक इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें उन्होंने सलमान खान की दो फिल्मों को क्लासिक फिल्म कहा है साथ ही इनका सीक्वल ना बनाने की बात भी कही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान संदीप से जब पूछा गया कि वह फ्यूचर में हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं में से किस फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे। तो इस पर संदीप ने कहा, ये फिल्में उस समय बनाई गई थीं जब व्यावसायिक सिनेमा अपने चरम पर था। इन दोनों ही फिल्मों को काफी विश्वास के साथ तैयार किया गया था और मैं उन क्लासिक्स को छूने की हिम्मत नहीं कर सकता था।

दोनों ही फिल्मों में सलमान खान हैं

हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं दोनों सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित फिल्में हैं। हम आपके हैं कौन में सलमान खान के अलावा माधुरी दीक्षित ने मुख्य अभिनय किया था। इस फिल्म को सूरज बड़जात्या ने लिखा और निर्देशित किया है और यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। फिल्म हम आपके हैं की कहानी से लेकर इस फिल्म के गाने आज भी दर्शकों को बेहद पसंद हैं।

वहीं फिल्म हम साथ साथ हैं में भी सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हम साथ साथ हैं एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस के तहत सूरज बड़जात्या द्वारा लिखित और निर्देशित है। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, नीलम कोठारी, करिश्मा कपूर, तब्बू, महेश ठाकुर, रीमा लागू, आलोक नाथ, शक्ति कपूर, सतीश शाह, सदाशिव अमरापुरकर, अजीत वाचानी हिमानी शिवपुरी और मनीष बहल ने अहम भूमिका निभाई थी। रिलीज के बाद अपनी आपार सफलता और दर्शकों के प्यार ने इसे क्लासिक फिल्म बना दिया।

मीका सिंह को बिपाशा के साथ काम करने का अफसोस

सिंगर मीका सिंह ने बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर के साथ फिल्म में काम करने के अनुभव को साझा किया है। एक इंटरव्यू में मीका ने कहा है कि क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' में अभिनेत्री बिपाशा बसु के साथ काम करना उनके लिए बुरा अनुभव रहा।

नखरे की वजह से नहीं मिल रहा काम

एक इंटरव्यू में गायक ने कहा कि बिपाशा ने सीरीज में काम करते समय नखरे दिखाए। वो अपने रवैये के कारण आज काम से बाहर हैं। मीका कहते हैं- 'आपको ऐसा क्यों लगता है कि वे अब काम से बाहर हैं? भगवान सब देख रहा है। मैं करण को बहुत पसंद करता था और एक कम बजट की फिल्म बनाना चाहता था। लगभग 4 करोड़ रुपए की।'

बिपाशा प्रोजेक्ट में जबरदस्ती शामिल हुईं

मीका आगे कहते हैं कि उस समय वो विक्रम भट्ट को बतौर निर्देशक अफोर्ड नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने उन्हें भूषण पटेल को डायरेक्टर के लिए चुना। हालात तब बदल गए जब बिपाशा ने इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की जिद की। मैं किसी और एक्ट्रेस को लेने पर विचार कर रहा था, लेकिन वह इसका हिस्सा बनना चाहती थीं। शूटिंग लंदन में सेट की गई थी। बजट 4 करोड़ से बढ़कर 14 करोड़ हो गया। फिर बिपाशा ने जो नाटक क्रिएट किया, उससे यह तय हो गया कि मुझे प्रोडक्शन में आने का हमेशा अफसोस रहेगा। यह एक ऐसी टीम थी जिसके साथ वह सहज थीं और वे दोनों एक कपल की भूमिका निभा रहे थे। उनका किसिंग सीन भी था। अचानक, वो नखरे दिखाने लगीं कि वह ऐसा नहीं करेंगी। मीका ने यह भी साझा किया कि उन्होंने कभी भी उनके पेमेंट में देरी नहीं की। लेकिन जब डबिंग की बात आई तो वो भी पूरा करना मुश्किल होने लगा। उन्होंने कहा, 'किसी न किसी का गला हमेशा खराब रहता है। अगर एक समय बिपाशा बीमार थी तो दूसरे समय करण बीमार थे। बता दें कि एमएक्स ओरिजिनल की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' 2020 में रिलीज़ हुई। मीका इस सीरीज के प्रोड्यूसर थे। विक्रम भट्ट ने इसकी कहानी लिखी थी।

क्या रवि दुबे-सरगुन मेहता की जोड़ी छोटे पर्दे पर साथ आएगी नजर?

हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रवि दुबे और सरगुन मेहता एक नए टीवी सीरियल में साथ नजर आएंगे। यह दोनों एक फैमिली ड्रामा सीरियल का हिस्सा जल्द ही बनेंगे। रवि दुबे और सरगुन मेहता असल जिंदगी में भी पति-पत्नी हैं, दोनों की शादी साल 2013 में हुई थी। सरगुन मेहता ने कई टीवी सीरियल्स किए हैं। इन दिनों वह पंजाबी फिल्मों में लीड एक्ट्रेस के तौर पर एक्टिव हैं। रवि दुबे भी कई टीवी सीरियल कर चुके हैं। होस्टिंग भी करते हैं। जल्द ही वह रणबीर कपूर की फिल्म रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे।

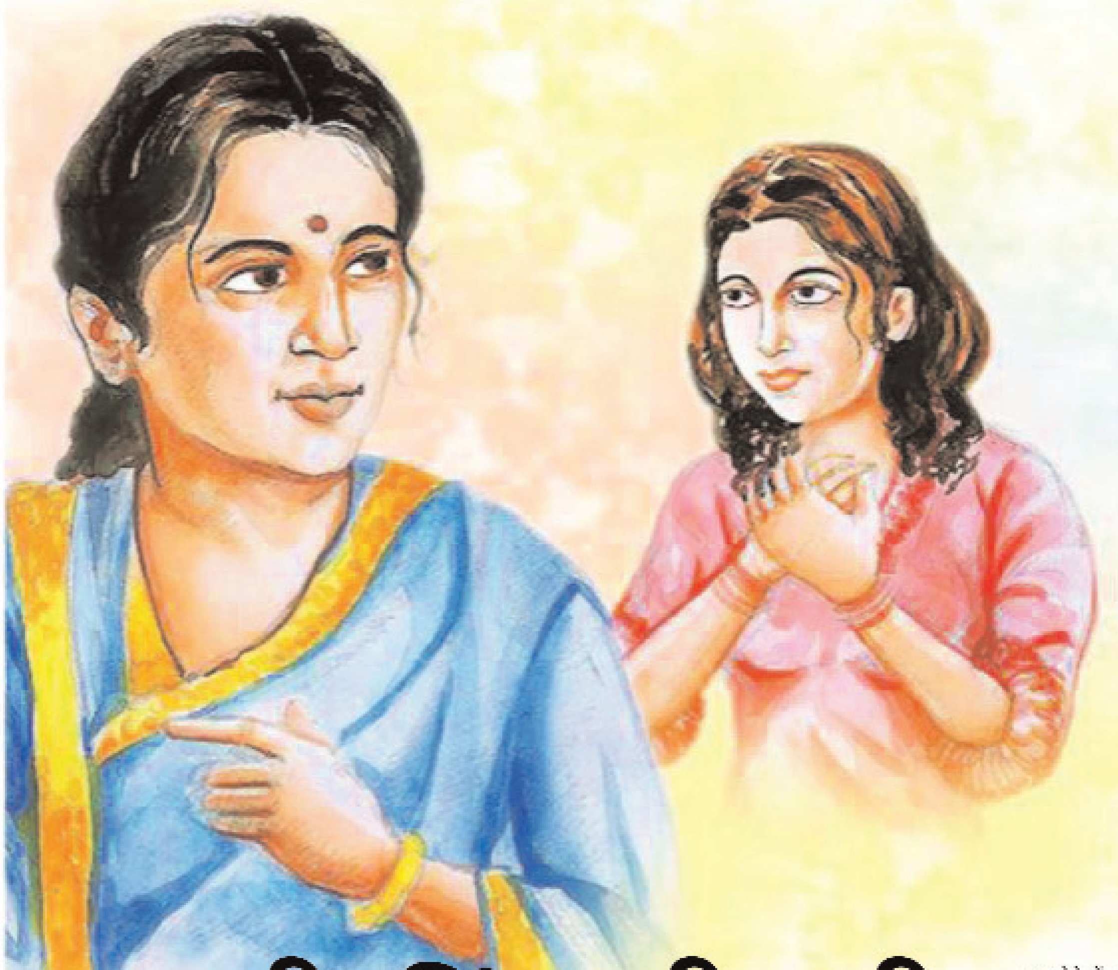

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किय जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

वह नायिका है .उसके आने से आती है एक मधुर सुगंधित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है चारों तरफ खुशियों के खूब सारे खिलते-खिलखिलाते रंग। उसके कई रंग है, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुरूचि है और सौंदर्य है। वही केन्द्र में है, वही परिधि.हर कोने में सुव्यक्त होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नहीं है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों ही संपन्न होते हैं। इस धरा की महकती मिट्‌टी की महिमा है कि नायिका इतने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था -

'कीर्तिः श्री वाक्च नारीणां
स्मृति मेधा धृतिः क्षमा।'

अर्थात नारी में मैं, कीर्ति, श्री, वाक, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है। आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारूणिक और कोमल है। जड़-चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करूणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विधाएं, कलाएं, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अंशरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती हैं -

'अहं राष्ट्री संगमती बसना
अहं रूद्राय धनुरातीमि'

अर्थात - 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती हैं, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले हैं, अधूरे हैं। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नहीं पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णत्व के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनकती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी चहुंओर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आम्रमंजरियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ.वह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है। उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी कुकृत्य की कड़वाहट के कुहास में दफना दी जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नहीं है सहारा, सुविधा, संसाधन और सहायता? नहीं। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मानस नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसने अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं।

मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी-सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नहीं चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अर्घ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्पर्शित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई.मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मीअनंत सूची है..मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले-सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उससे है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे-खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाएं एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप सेक्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

कब शुरू हुआ और आखिर क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुड़े इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास।

दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने फ्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरुआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था।

सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन में महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी में जगह, नौकरी में भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली में की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप में भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। गरीब महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

अपनी सोच से समाज में सकारात्मकता का निर्माण कर सकती है स्त्री

घर से लेकर ऑफिस तक। राजनीति से लेकर समाज तक। यह वह दौर है जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम कर रही हैं। कई मामलों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ठीक इसी तरह सांप्रदायिकता और अराजकता के इस माहौल में भी महिलाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, दरअसल, महिलाएं अपने बच्चों, पति और घर के अन्य पुरुषों को अपनी सकारात्मक सोच और विचार से प्रभावित कर सकती हैं। इसमें कोई संशय नहीं कि किसी भी पुरुष और बच्चे में सकारात्मक सोच की शुरुआत घर से ही होती है। बच्चा घर में जैसा माहौल देखेगा या उसके परिजन खासतौर से मां जो उसे सिखाएगी, जिन विषयों पर उससे चर्चा करेगी, वही आगे चलकर उसके विचारों में शामिल होगा। ठीक इसी तरह पुरुषों की सोच, विचार और मानसिकता को भी घर की महिलाएं बहुत हद तक नियंत्रित या यूं कहें कि प्रभावित कर सकती हैं। महिलाओं की भूमिका को इस सकारात्मक परिपेक्ष्य में इसलिए भी देखा जाना चाहिए क्योंकि शारीरिक तौर के साथ ही मानसिक तौर पर भी उन्हें 'सॉफ्ट' माना जाता है। वे कई विषयों को लेकर बेहद संवेदनशील होती हैं। ऐसे में जब समाज में कोई अराजक स्थिति पैदा होती है तो सबसे पहले महिलाओं से उनकी संवेदनशीलता के पैमाने पर ही अपेक्षा की जाती है। हालांकि शाहीन बाग इस मामले में अपवाद है। यहां महिलाओं की तय छवि से अलग तस्वीर नजर आई। यह सही है कि यहां महिलाएं अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के लिए प्रदर्शन में शामिल हुई हैं, लेकिन अपने मासूम बच्चों को इसमें शामिल करना, उन्हें ऐसे आंदोलनों का हिस्सा बनाना महिलाओं की छवि से अलग छवि को गढ़ता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी जगह बनाई है, लेकिन सामाजिक जागरुकता के परिपेक्ष्य में भी महिलाओं के लिए जरुरी है कि वे अपनी ताकत को फिर से पहचाने, अपने स्त्री पक्ष से घर में, समाज में और अपने कार्यक्षेत्र में अपनी सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

नए युग की नई नारी ने प्रगति की, पर सम्मान नहीं बढ़ा

नए युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास अनगिनत अवसर भी हैं। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा ने नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के सप्तरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई राह दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी सदा की भाँति प्रबल हैं।

इस सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने के रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत तरक्की की है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है।

'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवंत हो उठता है।

नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है। हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती हैं या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं।

जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में स्त्री विमर्श घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है।

इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्यवहृत ऊष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल-डोमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परछाई बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में सॉंस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियाँ ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन. स्वा.अभियन्ता विभाग खण्ड सरदारशहर

OUTSTANDING DETAIL

SubDn: SARDARSHAHAR, JAN-2025 Amount: 100000 or More/ALL

SNo.	Ac No / Emitra Key	A	Customer Name & Address	Amount Due
1.	SAR01-313 / 10053-01-37740	A	मंगला राम प्रजापत/मांगी लाल रामनगर बास	108371.00
2	SAR02-404 / 10053-02-40843	A	गोविन्दराम मदनलाल माली / रेल्वे स्टेशन के पास	101388.00
3	SAR03-21 / 10053-03-29348	D	लक्ष्मीनारायण सोनी बकसा रामः उतरादा बाजार	105871.00
4	SAR03-106/10053-03-29433	D	किशोरी लाल / चिरंजी लाल टाटीया	132504.00
5	SAR03-185 / 10053-03-29512	D	टोर नल ब्राहम्ण / टीकू राम जाट बास,	256206.00
6	SAR03-203 / 10053-03-29535	D	गौरी शंकर चौधरी / रतन लालः कौडिया चैल,	216842.00
7	SAR03-463 / 10053-03-29790	D	शंकर लाल सोनी / सोहन लाल	109703.00
8	SAR03-497/10053-03-29924	A	बजरंग लाल सोनी शंकर लाल गौशाला बास.	116969.00
9	SAR03-521/10053-03-29848	A	भगवानी देवी राम लालः गौशाला वास.	110244.00
10	SAR03-573 / 10053-03-29900	D	गिरधारी लाल / घासी रामः सोमाणी मोहल्ला,	124907.00
11	SAR03-617/10053-03-29944	D	मोहम्मद शोकिन / मोहम्मद भीखा सब्जीफरोशः तब्जी बाजार,	139383.00
12	SAR03-621/10053-03-29948	A	श्याम सुंदर मिश्र / इन्द्र चन्दः सब्जी मंडी,	109956.00
13	SAR03-580/10053-03-30007	A	पवन कुमार सर्राफ / राधेश्याम मित्तल मार्ग	104306.00
14	SAR03-526/ 10053-03-30013	D	कन्हैया लाल सोनी / गंगा रामः रघुनाथ जी मंदिर के पास.	241013.00
15	SAR03-720/10053-03-30047	D	श्रीमती कान्ता देवी सोनी / मोहन लालः शिव मार्केट	160178.00
16	SAR03-726 / 10053-03-30053	A	श्रीमती शारदा देवी पारीक / राम स्वरूप पारीकः मैन मार्केट, गोईनका की कु	117069.00
17	SAR05-457 / 10053-05-30576	A	प्रेप चंद सुथार / गोपाल रामः धोलिया कुआ	122678.00
18	SAR05-741/10053-05-30860	A	गोविन्द राम माली / युधा राम मालीः रेलवे स्टेशन,	146761.00
19	SAR076/10353-07-31178	A	हनुमान गल किशन लाल सोनीः शनिचर मंदिर	170403.00
20	SAR07/285/10053-07-31457	A	मोहन लाल सोनी/तनसुख राम नाहटा मार्ग,	111658.00
21	SAR07-584/10053-07-31766	D	मातादीन सोनी / शंकर लालः मोती चौक रावा मंडल,	136838.00
22	SAR-09-909 / 10053-09-39517	A	सुख लाल बरडिया / धर्मचंदः लेडिज मार्ग	111658.00
23	SAR11-504 / 10053-11-33514	A	भगवाना राम जाट / झाना राम सहारणः बीकानेर रोड,	125696.00
24	SAR11-634/10053-11-33544	A	निराणा राम जाट / कालू रामः सतु कालोनी के पास	158721.00
25	SAR12-685 / 10053-11-33595	A	राम लाल जागिड / गणपत रामः बीकानेर रोड,	104033.00
26	SAR13-240/10053-13-34203	A	त्रिलोक चंद शर्मा / सादलरामः टोपियां बुआ,	117857.00
27	SAR13-553 / 10053-13-34516	D	श्री रजिस्टार /गा0वि0 मन्दिर बैसीकर स्कूल,	109079.00
28	SAR13-557 / 10053-13-34520	A	श्री महावीर प्रसाद भाट / धन्नारामः कैन्टीन,	155646.00
29	SAR13-560/10053-13-34523	A	श्री रमाकान्त शर्मा / भंवर लाल केन्टीन,	197703.00
30	SAR13-560/10053-13-34523	A	श्री हरनेम सिंह/ ए ई एन आर एस हनुमानगढ गा वि मा	125484.00
31	SAR13-642 / 10053-13-34605	A	श्री इमरान क्यामखानी / निजानूदीन का स्टेण्ड,	102354.00
32	SAR13-654 / 10053-13-34617	D	श्री यूनूस क्यामखानी / हाजी रसूलखान पंचायत समिति के पान	105558.00
33	SAR13-807 / 10053-13-34770	A	श्री नाजमअली / मनीर खां कच्चा स्टैण्ड	110977.00
34	SAR13-826/10053-23-34789	A	श्रीलालचन्द नाली / भूगारामः कच्चा स्टेण्ट	126695.00
35	SAR13-828/10053-23-34791	D	श्री भीमनाथ सिद्ध / गणपत नाथ बस स्टेण्ड के पास.	101919.00
36	SAR13-923/10053-13-34886	A.	श्रीमती रेवन्ती कवर / स्योमान सिंहः कच्चा बस स्टेण्ड, के पीछे,	108861.00
37	SAR14-24/10053-14-46272	A	श्री भालचन्द मोदी / गामूलाल	135226.00
38	SAR14-58/10053-14-46306	A	श्री हाजी नूर मोहम्मद / अल्लादीन तेली वैलियो की मस्जिद,	122745.00
39	SAR14-129/10053-14-45377	A	श्री नुर मोहम्मद दीन मोहम्मद इस्लामिया मदरसा,	126836.00
40	SAR24-460 / 10053-14-46708	A	श्री कुरड़ा इलाही / बैण्डमास्टर तेली मस्जिद,	103438.00
41	SAR14-531/10053-14-46779	D	श्रीमती लक्ष्मी देवी राधा किशन सोनी सब्जी मंडी.	136992.00
42	SAR14-589 / 10053-14-46337	D	श्री यासीन व्यापारी / जमाल टाईवाला सब्जी मंडी.	154559.00
43	SAR14-714/10053-14-46962	A.	श्री मोहम्मद रफिक / जमालदीन खोखर पुराना ऐक्से0 गली, राजवेल	105979.00
44	SAR15 730/ 10053-15-39811	A.	श्री इरफान फार खां कायमखानी मोहल्ला	155778.00
45	SAR10-306710053-16-47328	A.	बाबुलाल छीपा / भुसाजीः मदीना मस्जिद,	100013.00
46	SAR16-370/20053-16-47492	A	भवरू खाँ व्यामखानी / बालु खाँ: जलाल सी कुर्जी	102527.00
47	SAR16-729 / 1000-3-1647351	A	निर्मल कुमार / बिरबलराम सोनी अर्जुन पलन के पास,	142554.00
48	SAR16-757/10033-1647809	A	श्री शिव भगवान मंगतमल प्रजापतः वार्ड 10 23.	104540.00
49	SAR17-13/10053-17-35862	A	श्री हनुमानराम पुनियां / सुरखारामः दुलीचन्द बाड़ी के पास,	103173.00
50	SAR17-85 / 10053-17-35934	A	गोविंद प्रसाद माली रामेश्वरलाल बुकलसर बास.	111474.00
51	SAR17-204 / 10053-17-36053	A	श्री ओमप्रकाश/बनवारी लाल अस्पताल के पीछे.	187100.00
52	SAR17-871 / 10053-17-36720	A	श्री जेठा चन्द्र लाल/श्रवण कुमार जाट वार्ड नं. 24. बुकलसर बास,	108570.00
53	SAR17-965/10053-17-36814	D	सोहनलाल सैनी / केशरदेवः सैनी कैन्टीन,	142231.00
54	SAR17-1061/10053-17-36910	A	सोना देवी जांगिड / सत्यनारायण	210386.00
55	SAR17-1066/10053-17-36915	A	आमीन खां / जीवण खां	105742.00
55	SAR17-1072 / 10053-17-36921	A	मोहम्मद अली / पीरू खां व्यापारी	105421.00
56	SAR17-1165 / 10053-17-37017	A	गोविंद प्रसाद माली/जगदीश प्रसाद पुलिस थाने के सामने,	111199.00
57	SAR18-248/ 10053-18-45165	A	बिलाल / नवाब किलाणिया ईनाम बाला,	137155.00
58	SAR18-594/10053-18-48511	A	अकबर हुसैन / बशीर काजी भादर जी वैल,	111671.00
59	SAR18-718 / 10053-18-49635	A	मोहम्मद सदीक व्यापारी मोहम्मद वाहीन व्यापारी वार्ड न 27 टी डब्लु के	103557.00

31 मार्च तक बकाया राशि जमा नहीं करवाने पर विभाग द्वारा कनेक्शन काटने की कार्यवाही की जायेगी।

आज्ञा से
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन. स्वा.अभियन्ता विभाग सरदारशहर

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
08 मार्च, 2025

चंग की धमाल पर गूंजने लगे फाल्गुनी गीत

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में होली पर्व को लेकर तैयारियां परवान चढ़ गई है। चंग की धमाल अब गूंजने लगी है। कस्बे के चौक चौराहा पर चंग बजने लगे हैं। रात्री के समय मीठे मीठे धुन के साथ चंग की धमाले सुनाई देने लगी है। होली पर्व पर वर्षों से परम्परागत घिन्दर नृत्य को लेकर कस्बे में होने वाले पांच दिवसीय घिन्दर महोत्सव को लेकर तैयारियां जोरों पर है। कस्बे में दो जगह होने वाली घिन्दर नृत्य को लेकर दोनों जगह कमेटियां गठित की गई है। समिति अध्यक्ष संजय महावर ने बताया कि गांधी चौक व मैन बाजार में 10 मार्च एकादशी के दिन घिन्दर नृत्य की शुरूआत होगी जो धूलंडी के दिन तक चलेगा। घिन्दर नृत्य हमारी परम्परागत धरोहर है जो लगभग 450 सालों से चला आ रहा है। जिसको बनाए रखने के लिए पूरे कस्बे के साथ प्रवासियों का भी पुरा सहयोग रहता है। सभी भाईचारे के साथ होली पर्व मनाते हैं। घिन्दर नृत्य, विभिन्न वेशभूषा विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। कस्बे के अलावा देश के कोनै कोने से लोग घिन्दर नृत्य को देखने आते है। देश से बाहार बैठे लोग भी सोशल मीडिया से जुड़े रहते हैं।

लैंस प्रत्यारोपण शिविर में 65 रोगियों के ऑपरेशन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय नेत्र अस्पताल में मनोहरलाल गोयनका की स्मृति में लक्ष्मी देवी गोयनका व गणेश प्रसाद गोयनका के आर्थिक सौजन्य से, जिला अंधता निवारण समिति व राजस्थान मेडिकल रिलीफ सोसायटी चूरू के सहयोग से लायंस क्लब की ओर से तीन दिवसीय मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में लाभार्थियों के ऑपरेशन किए गए। क्लब अध्यक्ष अनुराग शर्मा ने बताया कि मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में डॉ. शशिधर व उनकी टीम ने पहले दिन भर्ती 65 रोगियों के ऑपरेशन किए गए। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एम. एम. पुकार ने शिविर का निरीक्षण कर भामाषाह व लायंस क्लब का आभार व्यक्त किया। शिविर सह प्रभारी राजीव चाहर ने बताया कि इस तीन दिवसीय नि:शुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर में रोगियों के ऑपरेशन के साथ ही उनके भोजन व खाने की निशुल्क व्यवस्था की गई। शिविर में शेरू गोयनका, गौरीशंकर गोयनका, विक्रम, आकाश, सूर्य प्रकाश, विवेक गोयनका, संजय खेमका, रामगोपाल लोहिया, राकेश फोगला आदि ने शिविर में सहयोगी भूमिका निभाई। शिविर में प्रभारी सुनील रंजन टकणेत, मुकुल सिगतिया, चंद्रप्रकाश खत्री, डॉ. कमल वशिष्ठ, विनोद शर्मा, राजीव शर्मा, ताराचंद प्रजापत, महेंद्र राजगढ़िया सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हेतमसर में गायन प्रतियोगिता 25 को

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। सुगनी देवी कस्वां स्मृति मंच हेतमसर व राजकीय कन्या महाविद्यालय, हेतमसर के संयुक्त तत्वावधान में 25 मार्च को किड प्रतियोगिता का आयोजन होगा। प्राचार्य डॉक्टर सुनीता बेनीवाल ने बताया कि सुबह 11 बजे राजकीय कन्या महाविद्यालय हेतमसर में जिले के राजकीय / निजी महाविद्यालयों में अध्ययनरत नियमित छात्राओं के लिए लता मंगेशकर की ओर से गाए गए गीतों पर आधारित एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक छात्राए 20 मार्च तक अपना पंजीयन करवा सकती हैं। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाली छात्राओं को क्रमशः 5100, 3100 व 2100 रूपए नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

बड़ागांव विद्युत निगम कार्यालय में प्री लोक अदालत

जयपुर टाइम्स

बड़ागांव/झुंझुनू(निसं.)। बड़ागांव सहायक अभियन्ता कार्यालय में बुधवार को प्री लोक अदालत शिविर लगा। सहायक अभियंता विवेक अग्रवाल ने बताया कि शिविर में 11 उपभोक्ताओ ने अपनी उपस्थित दर्ज करवाई। जिसमे 3 प्रकरण PDC के व 8 VCR के प्रकरणों का समझाइश कर आपसी सहमती से निस्तारण किया गया। जिसमें एक लाख सताईश हजार इक्सठ (127061) रुपये का राजस्व वसूला गया। उपभोक्ताओं को ईकानबे हजार एक सौ उनसठ (91159) रु. की राहत प्रदान की गई।उन्होंने बताया कि शनिवार को उदयपुरवाटी कोर्ट में मुख्य लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा जिसमें अगर कोई बकायादार उपभोक्ता रह गया है तो वह अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर शिविर का लाभ ले सकता है। इस दौरान जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के चैयरमैन मनोज मील, अधिशासी अभियंता शंकरलाल सैनी, सहायक अभियन्ता विवेक अग्रवाल, सहायक राजस्व अधिकारी सुंदरलाल सहित अन्य अजमेर विद्युत वितरण निगम के अधिकार कर्मचारी व उपभोक्ता शिविर में उपस्थित रहे।

पुलिस कर्मियों को ई-डार एकीकृत सडक दुर्घटना डेटाबेस की ट्रेनिंग

झुंझुनूं(निस)। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय आईआईटी मद्रास व एनआईसी के सहयोग से सदक हादसों में कमी लाने के लिए एकीकृत सडक दुर्घटना डेटाबेस (ई डार) तैयार किया गया है। एनआईसी के डीआईओ कमलेश कुमार सैनी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी आदेश के अनुसार जिले में घटित होने वाली समस्त सड़क दुर्घटनाओं की प्रविष्टि ई-डार ऐप पर की जानी अनिवार्य है, जिससे ब्लैक स्पोट को चिह्नित करने में सुविधा होती है। ई-डार के रोल आउट मैनेजर मनीष चौधरी ने समस्त अनुसंधान अधिकारियों को बताया कि वे बिना किसी विलम्ब के दुर्घटना की प्रविष्टि इस पर अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। उनकी ओर से ई-वार का पॉवर पाइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से समस्त डाटा प्रविष्टि व पैन्डिग केस के निस्तारण के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया। अभी तक जिले में इस एप पर कुल 1990 एन्ट्री की जा चुकी है।

वार्षिक साख योजना के लिए 9547 करोड़ के ऋण वितरण का अनुमोदन

समाज के कमजोर वर्गों को दे ऋणों में प्राथमिकता- कलक्टर

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिले की वार्षिक साख योजना के लिए 9547 करोड़ के ऋण वितरण का अनुमोदन किया गया है। जिला स्तरीय समीक्षा समिति व जिला परामर्श समिति की तिमाही बैठक का आयोजन शुक्रवार को जिला कलक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में कलक्टर सभागार में किया गया। जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष की 9547 करोड़ वार्षिक साख योजना से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों और समाज के कमजोर वर्गों जिसमे किसानों, महिलाओं, बेरोजगारों, स्ट्रीट वेंडर्स के उथान के लिए महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। जिला कलक्टर ने इन्हें प्राथमिकता से ऋण उपलब्ध करवाने की बात कही। जिला कलक्टर ने मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में झुंझुनूं जिले में बैंको की ओर से सर्वाधिक ऋण वितरण करने पर अंतराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 पर राज्य स्तर पर सम्मानित होने पर सभी बैंकर्स को बधाई दी। बैठक के दौरान अग्रणी जिला प्रबंधक गोपाल प्रसाद ने दिसंबर 2024 तक के वार्षिक साख योजना के लक्ष्य की प्राप्ति, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रा, बीसी कार्यप्रणाली से अवगत करवाया। उन्होंने बैंकों को जमा और ऋण प्रवाह बढ़ाने, वित्तीय साक्षरता, एमएसएम ऋण बढ़ाने पर बल दिया। जिसमे सभी बैंकों व विभागों का पूर्ण सहयोग मिला। भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबंधक अक्षय गुंबर ने सभी बैंकों को वित्तीय साक्षरता समावेशन, सामाजिक सुरक्षा योजना और वित्तीय साक्षरता के प्रसार के लिए बैंकों को अभियान मोड में कार्य करने आग्रह किया। भारतीय स्टेट बैंक,बैंक ऑफ़ बडौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, पीएनबी, यूको, आईसीआईसीआई, आईडीबीआई, यस बैंक को ऋण जमा अनुपात को मार्च 2025 तक राष्ट्रीय स्तर 80 प्रतिशत से अधिक करने का सुझाव दिया। बैठक में बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधक कर्मजीत सिंह, भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक बनवारी लाल मीणा, बीआरकेजीबी के आरएम सज्जन सिहाग, भारतीय रिजर्व बैंक के अग्रणी जिला अधिकारी अक्षय गुंबर, जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक नानूराम गहनोलिया, महिला अधिकारिता विभाग के उप-निदेशक विप्लव न्यौला, सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पुनिया के अतिरिक्त विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयकों एवं सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आरयूआईडीपी परियोजना के जल मीटर के आगे नहीं लगाए बूस्टर पम्प

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के (आरयूआईडीपी) चतुर्थ चरण की ओर से मंडावा शहर में आमजन की सुविधा के लिए जल प्रदाय तंत्र मे सुधार और विकास के लिए विभिन्न आधारभूत कार्य और जन सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न जन जागरूकता के कार्य भी समय-समय पर करवाए जा रहे है। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रोजेक्ट के अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र कुमार सैनी के निर्देशन में आमजन में जनचेतना के माध्यम से परियोजना संदेश देने के लिए आरयूआईडीपी के सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रूहेला की ओर से वार्ड नं 2 स्थित आंगनबाड़ी मे महिलाओं के साथ समूह चर्चा की गई। उपस्थित महिलाओं से नये पानी के मीटर के फायदे व इसके रख रखाव के बारे में व जल संरक्षण के तरीके व परियोजना के तहत की जाने वाली जल सप्लाई से समय की बचत होगी और पानी पूर्णतया प्रेशर से आएगा। मोटर की आवश्यकता नहीं रहेगी व महिलाओं से अपील की है कि जल सप्लाई के आगे पानी की मोटर नहीं लगाए व भविष्य में मिलने वाले लाभ के बारे में चर्चा की। जल कनेक्शन की फ़ाइल कैसे और कहाँ लगाने के बारे में जानकारी दी। नई पेयजल लाइन में समस्या आने पर उसका समाधान कैसे करे इसकी भी जानकारी महिलाओ को दी गई एसओटी कुलदीप सिंह शेखावत ने उपस्थित महिलाओ से प्रोजेक्ट कार्यों में सहयोग करने को कहा, जिससे काम समय पर पूरे हो और इन का लाभ सरदारशहर की जनता को मिले कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शारदा सैनी, सहायिका गोदावरी सैनी, एएनएम पुनीता सहित वार्ड की महिलाएं उपस्थित रही। प्रहलाद मील व सुनिता परिहार का कार्यक्रम में विशेष योगदान रहा।

जीएसपीएल इंडिया गैस नेट लि.ने छात्रों को दी सुरक्षा की सीख

झुंझुनूं(निस)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, हंसासरी में शुक्रवार को जीएसपीएल इंडिया गैस नेट लिमिटेड की ओर से 54वें राष्ट्रीय सेफ्टी सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्रों को एलपीजी व सीएनजी गैस की सुरक्षित हैंडलिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा, आग लगने पर बचाव और अग्निशमन के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई, जिससे बच्चों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़े। विशेष रूप से, कंपनी के मैनेजर अभिषेक त्रिपाठी ने विद्यालय के आरो वाटर फिल्टर की मरम्मत करवाई, जिससे छात्र-छात्राओं को स्वच्छ और शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सरदारशहर

क्रमांक- 3096-3105 दिनांक- 27/02/2025

निविदा सूचना संख्या- 17 / 2024-25 खण्ड सरदारशहर

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला - चूरू में विभिन्न सड़क सुरक्षा कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र ई - टेन्डिरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन-लाईन निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट dipr.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
ASPPP पर अपलोड NIB No. PWD2425A4451 के UBN No. निम्न प्रकार है-

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1.	PWD2425WSOB16032	2	PWD2425WSOB16033
1.	PWD2425WSOB16034	2	PWD2425WSOB16035
1.	PWD2425WSOB16036	2	PWD2425WSOB16037

(राजेन्द्र कुमार सैनी)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सरदारशहर

DIPR/C/3030/2025

दस दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का समापन, विजेताओं का सम्मान

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू बड़ागांव(निसं.)। कस्बे के बाजी वाली ढाणी में स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के सामने खेल मैदान में चल रहे 10 दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का समापन हुआ। मेला कमेटी की ओर से 51 भामाशाहों, 40 विजेता खिलाड़ियों व 10 कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि जिला उपभोक्ता आयोग के चेयरमैन मनोज मील रहे। अध्यक्षता सरपंच संतोष सैनी ने की। अजय भालोठिया, पूर्व तहसीलदार मंगलचंद सैनी, प्रधानाचार्य महीपाल सिंह महला, पूर्व सरपंच राजेंद्र प्रसाद सैनी व प्रधानाचार्य राधेश्याम तानेनियां आदि रहे। मेला कमेटी सदस्य बजरंग लाल सैनी, राजेंद्र सैनी, सूबेदार देबूराम सैनी, रामनिवास सिंह, जीके सैनी व ठेकेदार बलदेव सैनी आदि ने अतिथियों का सम्मान किया। खेल स्पर्धाओं में वॉलीबॉल में फाइनल मैच जीतने पर भानी पब्लिक स्कूल को 5100 रुपए व ट्रॉफी दी गई। कबड्डी में विजेता दोरादास की टीम को 3100 व ट्रॉफी दी गई। विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य अजय भालोठिया महिलाओं की मटका दौड़ में पिंकी प्रथम, दर्पण द्वितीय व ममता तृतीय रहीं। खो-खो में सेठ शिवदत राय स्कूल बड़ागांव विजेता रही। 10 से 15 वर्षीय पुरुष वर्ग की 200 मीटर की दौड़ में दोरासर के रवि प्रथम व बड़ागांव के निकेश द्वितीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में बड़ागांव की अलका प्रथम व भारती द्वितीय रहीं। इसी तरह 16 से 30 वर्षीय पुरुष वर्ग की 200 मीटर दौड़ में हांसलसर के विक्रम, भड़ौंदा कंला के नवीन द्वितीय रहे। 16 से 30 वर्षीय 100 मीटर की बोरी दौड़ में हांसलसर के विक्रम प्रथम, भड़ौंदा कलां के नवीन द्वितीय स्थान पर रहे। महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में बड़ागांव की मनीषा प्रथम, आशा द्वितीय व दर्पण तृतीय रहीं। बच्चों की म्यूजिकल चेयर में पंकज व जितेंद्र विजेता बने। महिलाओं की रस्साकशी में दुर्गा गहन की टीम व पुरुष वर्ग में मोहित सैनी की टीम विजेता रही। घूमर में प्रियांशी प्रथम व नेहा द्वितीय रहीं। कंट-घोड़ी नृत्य में छावसरी के नेकीराम गढ़वाल प्रथम, हमीरवास के संजीव रेपस्वाल द्वितीय रहे। संचालन ओमप्रकाश सैनी व गुटाराम सैनी ने किया। इस दौरान कैप्टन ओमप्रकाश महला, बिशन सिंह, किशोरी लाल कुमावत, ज्ञानसिंह बड़ागांव, मोहन लाल सैनी, श्रीराम सोनी, सैनी समाज अध्यक्ष नारायण प्रसाद, हरचंद गुर्जर, बिशन सिंह शेखावत मोतीलाल आदि मौजूद रहे।

Office of Superintendent District Jail Jaipur

Dispatch No. kara/,\manti/2024-25/2829-37 Date 07.03.2025

Notice Inviting Bid

Bids for Mixer Grinder 5 Litre (NIB-JLD2425A0108) are Invited from interested bidders upto 11.00 am on 12.03.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http:// sppp.raj.nic.in) of the State and http:// www.home.rajasthan.gov.in departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 5.85 lacs, respectively.
UBN: JLD2425GSOB00159

Superintendent
District Jail Jaipur

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC HEALTH ENGINEERING DEPARTMENT CIRCLE CHURU

e-mail: sephedchuru@gmail.com socirclo.chu.phod@rajasthan.gov.in
So. TA/Churu/2024-25/3901-3930 Dated 27.02.2025

E-NOTICE INVITING BID (43-48/2024-25)

Bids for 06 nos. works of total Rs. 330.00 lacs at Churu district are invited from interested bidders upto 06.00 PM on date 10.03.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://sppp.rajasthan.gov.in of the state and phed tenders.raj.nic.in department website and eproc.rajasthan.gov.in.

UBN PHE2425WSOB10830
UBN PHE2425WSOB10832
UBN PHE2425WSOB10833
UBN PHE2425WSOB10834
UBN PHE2425WSOB10835
UBN PHE2425WSOB10836

Superintending Engineer,
PHED, Circle Churu.

DIPR/C/3210/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड पावटा, जिला कोटपूतली - बहरोड

Email:- senphedpaota@gmail.com
क्रमांक- 2954-59 दिनांक- 28-02-2025

निविदा सूचना संख्या 43 / 24-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड पावटा, जिला कोटपूतली - बहरोड के अधीन विभिन्न जल योजनाओं पर स्वीकृत निर्माण कार्य मय मेटेरियल के निविदा सूचना संख्या 43 / 24-25 का राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदकों को ई-प्रोक्यूमेन्ट के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है।
उक्त सभी निविदाओं से संबंधित विस्तृत विवरण वैबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उपरोक्त निविदाओं का प्रकाशन sppp.rajasthan.gov.in निम्नानुसार कर दिया गया है-

क्र.सं.	निविदा संख्या	आई.डी. नम्बर	अपलोड की दिनांक
01	43/24-25	UBN PHE 2425 WSOB10796	28-02-2025

अधीक्षण अभियन्ता,
जन स्वा अभि विभाग,
वृत कोटपूतली - बहरोड ।

DIPR/C/3063/2025

जगतगुरु रामानंदाचार्य धर्माचार्य महाराज का लक्ष्मणगढ़ में स्वागत

जयपुर टाइम्स

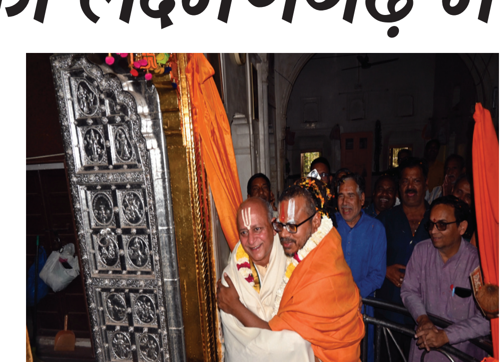

लक्ष्मणगढ़(निस)। अनंत विभूषित श्री श्री 1008 जगतगुरु रामानंदाचार्य धर्माचार्य महाराज शुक्रवार को लक्ष्मणगढ़ पहुंचे जहां पर उन्होंने शहर के रघुनाथ जी के बड़े मंदिर में भगवान राघवेन्द्र के दर्शन कर भगवान का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मंदिर महंत अशोक दास महाराज ने धर्माचार्य महाराज का जोरदार स्वागत किया जिसके पश्चात महाराज श्री रघुनाथ मंदिर से रथ में विराजमान होकर महाराज चौपड़ बाजार, कबूतरीया कुआं, खादू की कुई, लाल कुआं, न्यामा बाजार से होते हुए तोदी कुई दुर्गा पूजा स्थल पर पहुंचे। जहां पर उनका का भव्य स्वागत किया गया। इससे पूर्व शोभायात्रा के दौरान शहर के बाजारों में व्यावसायिक व सामाजिक संगठनों की ओर से महाराज का जगह जगह जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर राजस्थान राज्य विप्र कल्याण बोर्ड के पूर्व सदस्य समाजसेवी पवन शर्मा, बगड़िया स्कूल के सचिव पवन गोयनका, तोदी कुई दुर्गा पूजा समिति से लाल चन्द सोनी, विकाश तुनवाल, भाजपा मण्डल अध्यक्ष ललित पवार, विपक्ष के नेता पार्षद ललित पारीक, पार्षद रामावतार पवांर, पार्षद मधु दायमा, पार्षद अमित जोशी, पार्षद विष्णु बोचिवाल, पिन्टु तुनवाल,भजन लाल सोनी, रामस्वरूप टेलर, मुरारी लाल टेलर, सज्जन वर्मा, सुरेश वर्मा, पूरणमल भगत, पीरामल वर्मा,सूर्य प्रकाश महर्षि, मनोज मिश्रा, प्रमोद डीडवानिया, सुबोध शर्मा,संजय जोशी,ओम प्रकाश बनाई वाला, चोथमल नाउवाला,विनोद गोड़, रामावतार सिंगोदिया, लक्ष्मी कान्त टेलर, राजकुमार पुजारी, रतन लाल पासोरिया, अशोक पासोरिया,प्रकाश पासोरिया, घासी पासोरिया, मुन्ना सैन,पिंजरापोल गौशाला समिति के मंत्री सुशील जाजोदिया, व्यवसायी दीपक जाजोदिया, जयप्रकाश सरावगी,सन्दीप बजाज, नरेश बजाज, सुरेश बजाज, पुरूषोत्तम मिश्रा सहित श्रद्धालु मौजूद रहे। तोदी कुई दुर्गा स्थल पर महाराज श्री अपने सम्बोधन में कहा कि जो उपाधी मिली है ये सब आप भक्तों की देन है मुझे कोई अभिमान नही है मैं आप लोगों के जैसे पहले था? आज भी वही हूं मुझे कोई धन दौलत नहीं चाहिये सिर्फ आप सब भक्तो का प्यार चाहिए।

राजस्थान- सरकार

कार्यालय कोषाधिकारी, (पेंशन), जयपुर

मकान नं. ई 67 एवरेस्ट कॉलोनी, लालकोठी जयपुर
Email Id ppojpr-rj@nic.in ph. No. 0141-2312829
File No... 1./ Procurement / 2024-25 Date- 27/02/2025

Notice Inviting Bid

Bids for Desktop Computers, Monochrome Laserjet Printer, Monochrome Laserjet MFP Printer are invited from inerested bidders on 10.03.2025 upto 05.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 12.5 lakh
UBN_DTA2425GLOB00143

Treasury Officer (Pension)
Jaipur (Pension), Jaipur

DIPR/C/3057/2025

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
08 मार्च, 2025

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला मैराथन, योगा व साइकिलिंग प्रतियोगिता आज

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार और राजस्थान क्रीड़ा परिषद, जयपुर के निर्देशानुसार जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित नेचर पार्क में महिला मैराथन/ वॉक, योगा और साइकिलिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत ने बताया कि शनिवार को महिला मैराथन/ वॉक, योगा प्रतियोगिता व महिला साइकिलिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। साइकिलिंग रैली नेचर पार्क से होते हुए जिला स्टेडियम व वापस नेचर पार्क तक आयोजित होगी।

होली पर्व व ईद पर पुलिस की रहेगी विशेष निगरानी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड के पुलिस थाना भानीपुरा में आगामी होली पर्व व ईद पर्व को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र दादरवाल की अध्यक्षता में इलाके के सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक, पुलिस मित्र व मस्जिद के मौलवियों की मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें होली पर्व व ईद पर्व पर आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की गई। दोनों समुदाय के नागरिकों को ऐसी कोई अनैतिक गतिविधि जिससे आपसी सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों पर नजर रखने के लिए दिशा निर्देश दिए गए। इस मौके पर थानाधिकारी रायसिंह सुथार ने भी उपस्थित सदस्यों से आगामी त्योहारों पर शांति बनाए रखने की अपील की। उपस्थित लोगों को विश्वाश दिलाया कि आप शांति व्यवस्था बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखे आवश्यकता पड़ने पर पुलिस आपके साथ है। इस मौके पर आसूचना अधिकारी अनिल कुमार, सरपंच अजीज खान, सरपंच नवाब अली, सरपंच प्रतिनिधि सहीराम, रातूसर भाजपा मंडल अध्यक्ष महेंद्र स्वामी बिल्यू, मंडल महामंत्री जोगेंद्र सिंह बिल्यू, पूर्व सरपंच शुभकरण पारीक भोजासर, श्याम लाल पारीक, गोपी ढाणी राणासर, नजीर खान, अब्दुल हरदेसर, मुख्तयार खान, अन्ना नाथ सुमेरिया, गिरधारी शिमला, दीपाराम लुहार सहित सीएलजी सदस्य उपस्थित रहे।

होली पर्व: शांतिपूर्ण माहौल में त्यौहार मनाने की अपील

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के पुलिस थाने में शुक्रवार को होली पर्व को लेकर सीएलजी बैठक आयोजित की गई। एसडीएम डॉ दिव्या चौधरी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सीएलजी सदस्यों के साथ होली पर्व पर कानून व्यवस्था को लेकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। डीएसपी रामेश्वर लाल सारण और थाना अधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने होली और धुलंडी के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस की ओर से त्योहार को लेकर असामाजिक तत्वों पर नजर रखने, अवैध शराब की बिक्री रोकने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। बैठक में नगर परिषद सभापति राजकरण चौधरी, भाजपा नेता मधुसूदन सिंह राजपुरोहित, पार्षद हंसराज सिद्ध, कैलाश सैनी, फारूक जान मोहम्मद और मनफूल खान शामिल रहें। बीडीसी सदस्य इंदर सिंह, राजेंद्र मोदी, मंजीत बामल के अलावा सरपंच रामस्वरूप भांभू, पवन सैनी और सुनील मिश्र सहित कई नागरिक उपस्थित रहे।

भादासर स्वास्थ्य केंद्र में रिक्त पदों को भरने की मांग, किसान सभा का धरना शुरू

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। तहसील में अखिल भारतीय किसान सभा ने भादासर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। किसान सभा की मुख्य मांग स्वास्थ्य केंद्र में खाली पड़े पदों को भरना है। तहसील अध्यक्ष भगवानराम जाखड़ और मंत्री काशीराम सारण के अनुसार जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी धरना जारी रहेगा। रिक्त पदों के कारण क्षेत्र के लोगों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों को इलाज के लिए सरदारशहर और श्रीडूंगरगढ़ जाना पड़ रहा है। धरने में कुमाराम जाखड़, इसरराम सिद्ध, मोहनराम, चुनाराम, पूर्णाराम, केशुराम, चेतनाराम, श्योपत सारण, किशनाराम, मामराज, जगदीश शर्मा, भंवरलाल, केसराराम मेघवाल, पेमाराम और सत्यनारायण सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

वनवास काल में राम की लीलाओं का वर्णन

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे का प्राचीन मंदिर मेहन्दीपुर बालाजी में श्रीराम कथा व हनुमत कथा का के आठवें दिन पुजारी राजूराम के सानिध्य में गणेश सोनी व अरविंद बोहरा ने सपत्नीक व्यासपीठ की पूजा अर्चना की। व्यासपीठ पर विराजमान अनन्त विभूषित दण्डी स्वामी शिवेन्द्राश्रम महाराज ने कथा के आठवें दिन वनवास काल में भगवान राम की लीलाओ का वर्णन किया। महाराज ने व्यासपीठ से सीता रावण संवाद, सबरी राम संवाद वर्णन, वनवास के दौरान राम भरत मिलाप सहित सुन्दर व्याख्यान किया।कथा में मेहन्दीपुर बालाजी भक्त मण्डल के सदस्य, सोनी परिवार, बोहरा परिवार के साथ कस्बे के सैकड़ों महिला पुरूष मौजूद रहे।

सुजानगढ़ शहर में पार्किंग समस्या का सरकार करे समाधानः मनोज मेघवाल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। विधायक मनोज मेघवाल ने विधानसभा में कहा है कि नगरपालिका की आबादी के मुताबिक हर बार सड़कों के लिए करोड़ों रूपये दिए जाते थे, लेकिन इस बार बजट में किसी भी नगरपालिका के लिए बजट आवंटित नहीं किया गया है, जिसके चलते शहर के निवासियों में निराशा है। अतः सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए हर नगरपालिका या नगरपरिषद को जरूरत के मुताबिक बजट आवंटित करवाया जाए। विधायक ने कहा कि नगरपालिका में मिलीभगत से काम होता है और नगरपालिका के पार्षद आजकल ठेकेदार बन जाते हैं, जिसके कारण से सड़कों की उम्र नहीं होती और एक साल में सड़कें टूट जाती है। अतः सार्वजनिक निर्माण विभाग के जरिए सड़कों और सड़कों के मरम्मतीकरण का काम करवाया जावे, ताकि सड़कें गुणवतायुक्त बने। इसी प्रकार नगर निकायों में स्टाफ की कमी को दूर किया जावे, ताकि जनता को राहत मिले और सबके काम समय पर हो सके। सफाई कर्मचारियों की भर्ती को जल्द पूरा करने की मांग विधायक मनोज मेघवाल ने सदन में रखी और वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने की बात कही। इसी प्रकार शहरों का नियोजित विकास करने और सभी व्यावसायिक कॉम्पलैक्स में पार्किंग आवश्यक करते हुए इसकी पालना करवाने की मांग विधायक ने की। विधायक ने कहा कि धड़ल्ले से कॉम्पलैक्स तो सुजानगढ़ में बन रहे हैं, लेकिन वाहनों की पार्किंग की समस्या शहर में सबसे बड़ी समस्या हो गई। इसी प्रकार अनेकों जगहों पर आवासीय के नाम पर व्यवसायिक निर्माण करवाया जाता है। इसी प्रकार शिकायत करने पर डीएलबी कॉमलेक्स को सील भी करती है, लेकिन बाद में इसे खुलवाकर नियमों का पालन नहीं करवाया जाता। विधायक ने कहा कि मंदिरों और धर्मशालाओं की जमीनों पर भी कॉम्पलेक्स बन रहे हैं, जिन पर सरकार को चाहिए कि मंदिरों पर कॉम्पलेक्सों के निर्माण रोके।

सम्पूर्ण पटवार हल्के के ग्रामों को एक ही पंचायत में रखने की मांग, सीएम को पत्र

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 101 के अंतर्गत पंचायत राज संस्थाओं की सीमाओं में परिवर्तन की शर्तो में छूट की मांग को लेकर तारानगर के अधिवक्ता प्रभुदयाल सहारण ने मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र सौंपा। अधिवक्ता सहारण ने मांग पत्र में लिखा है कि राजस्थान राज्य सरकार ग्रामीण विकास व पंचायती राज विभाग के पुनर्गठन बाबत समस्त जिला कलेक्टरों को जारी आदेश क्रमांक एफ.15(36) /पुनर्गठन/ विधि/पंरा/2024/03 जयपुर 10.01.2025 के बिन्दु सं. 1.1 के उप बिन्दु सं. 4 में ग्राम पंचायतों के लिए जारी शर्तों में किसी भी राजस्व ग्राम को विभाजित कर दो पंचायतों में नहीं रखा जाएगा। सम्पूर्ण राजस्व ग्राम एक ही पंचायत में रहेगा कि किसी भी राजस्व पटवार हल्के के गांव को विभाजित कर दूसरे पटवार हल्के की पंचायत में नहीं रखे जाने की शर्त लागू कर सम्पूर्ण पटवार हल्के के ग्रामों को एक ही या एक से अधिक पंचायत में रखे जाने बाबत शर्त का आदेश पारित किया जाए। एक पटवार हल्के के आबाद गांव को दूसरे पटवार हल्के के आबाद गांवों की पंचायत में ना जोड़ा जाए और ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन/ पुनर्सीमांकन/नवसृजन राजस्व पटवार हल्के के हिसाब से ही किया जाए जिससे जनता को भारी परेशानियों का सामना ना करना पड़े। क्योंकि दो पटवार हल्के के गांवों की पंचायत बनाने से वहां के लोगों को ग्राम पंचायत मुख्यालय व पटवार हल्का मुख्यालय अलग-अलग होने से भारी उलझन पैदा होगी इसलिए एक पटवार हल्के में जनसंख्या अधिक होने पर उसमें दो पंचायत बना दी जाए या विचलन कर एक पंचायत बनाई जाए परन्तु दो पटवार हल्के के कुछ राजस्व या आबाद गांवों को मिलाकर एक पंचायत ना बनाई जाए। एक पटवार हल्के के पंचायत मुख्यालय के गांव को दूसरे पटवार हल्के के गांव व पंचायत में शामिल करने पर लोगों को ग्राम पंचायत व राजस्व सम्बन्धी काम होने पर भारी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इसलिए पंचायतों के गठन बाबत राजस्व पटवार हल्के के समस्त गांवों की जनसंख्या व दूरी बाबत शिथिलता दी जाकर पंचायतों का गठन किया जाए।

स्वच्छता जागरुकता रथ से दी परियोजना की जानकारी

रतनगढ़(निस)। आरयूआईडीपी अधिशाषी अभियन्ता आर डी गर्ग के निर्देशन में रतनगढ शहर में समय समय पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी क्रम मे रतनगढ शहर में सीवरेज व स्वच्छता जागरुक रथ से परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। परियोजना के जन सहभागिता इकाई के प्रवीण राठौड, व कविता स्वामी ने जगह जगह नूक्कड सभा की गई व गलियों में रथ घुमाकर पम्पलेट वितरण कर बताया गया कि घरों के स्नानघर व रसोई शौचालय सीवरेज लाईन से जरुर जुडवाए, यह कनेक्शन आरयूआईडीपी की ओर से नि. शुल्क होगा। तथा स्नानघर व रसोई में जाली जरुर लगाए। वर्षा के दौरान चैम्बर के ढक्कन खोलकर सीवरेज लाईन में पानी न डाले क्योकी उस पानी के साथ कंकड पत्थर व पानी की बोतल से सीवरेज लाईन अवरुद्ध हो सकती है। समुदाय से कार्य के दौरान सहयोग की अपील की गई।

जिला स्तरीय विभागीय सद्भावना कप का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। जिला स्तरीय विभागीय सद्भावना कप संस्करण- 7 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किसान नेता स्वर्गीय हरीराम जानू की स्मृति में उनके पुत्रों के सौजन्य से युवा अधिवक्ता क्रिकेट आयोजन समिति सुजानगढ़ द्वारा नया बास स्थित स्टेडियम में शुरू हुई है। आयोजन समिति के अध्यक्ष एडवोकेट विमल गोदारा ने बताया कि उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल रही। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एडीएम मंगलाराम पूनिया, मंडल अध्यक्ष भाजपा विनय कुमार माटोलिया, नेता प्रतिपक्ष जय दाधीच, भाजपा नेता कमल दाधीच, पार्षद दीनदयाल पारीक, पार्षद मनोज पारीक, पन्नालाल सोनी, एडवोकेट गजेंद्र सिंह शेखावत, एडवोकेट भीम शंकर शर्मा, जेडीएम अस्पताल के अरविंद भांबू उपस्थित रहे। उद्घाटन मैच पुलिस विभाग और रेल विभाग के बीच मैच खेला गया, जिसमें पुलिस विभाग विजेता रही। दूसरा मैच न्याय विभाग और बीसीएमओ के मध्य खेला गया, जिसमें न्याय विभाग 57 रन से विजेता रहा। तीसरा मैच मेडिकल वॉरियर्स व एडवोकेट चूरु के बीच खेला गया, जिसमें मेडिकल वॉरियर्स ने जीत हासिल की और चौथा मैच एडवोकेट 11 और पीएमओ सुजानगढ़ के बीच खेला गया। जिसमें पीएमओ सुजानगढ़ विजेता रहा। आयोजन समिति के कन्हैयालाल, गोरधन, पार्थ, हनुमान, अंकित, प्रदीप, वीरेंद्र पारीक आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने की जनसुनवाई

रतनगढ़(निस)। पूर्व विधायक अभिनेश महर्षि ने शुक्रवार को भाजपा कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए आमजन की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर सम्बंधित विभाग के अधिकारीयों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान महर्षि ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार जनसरोकार से जुड़े विभिन्न विषयों पर कार्य करने के लिए गंभीर है। और विगत एक वर्ष से राज्य में विकास की राह को पंख लगे है। राज्य सरकार अन्तिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुँचाने के लिए कटिबद्ध है।

पायलट की बढती लोकप्रियता पर किया खुशी का इजहार

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की देश प्रदेश में बढ़ती लोकप्रियता पर आज चूरू जिला मुख्यालय नई सड़क पर चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया के सानिध्य में कांग्रेस जनों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर व आतिशबाजी करके खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर महनसरिया ने कहा कि हमें इस बात की बेहद खुशी है कि अपने लोकप्रियनेता सचिन पायलट दिनों दिन लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। विशेष कर युवाओं में पायलट जहा भी जाते हैं चाहे देश का कोई भी राज्य हो तथा प्रदेश में किसी भी जिले में यात्रा हो सड़क मार्ग पायलट का सैकड़ो गाड़ियों का काफिला चलता है। जगह-जगह भारी संख्या में कांग्रेस जन व जनता पायलट के सम्मान में इंतजार करके खुले दिल व मन से स्वागत करते हैं। रेल मार्ग पर भी रेलवे स्टेशन पर हजारों की संख्या में इसी प्रकार हवाई अड्डा हो या हेलीकाप्टर से यात्रा हो, हजारों की संख्या में ढोल नगाड़े व फूल मालाओं से पायलट का स्वागत करते हैं। इस अवसर पर पार्षद हाजी अली मोहम्मद भाटी, कायमखानी समाज के जिला अध्यक्ष मुशी खा पूर्व जिला परिषद सदस्य किसना राम बाबल, पार्षद प्रत्याशी मोहन ट्रेलर, हाजी सादिक नीलकर, हाजी युसूफ लोहार, पूर्व पार्षद सत्यनारायण बाकोलिया, मुबारक रतन नगर, इदरीश खान दौलत खानी, मनोज महन सरियाएडवोकेट, विनोद शर्मा, शिवम सोनी, लक्ष्मण मेहरा, सहित अनेक जन उपस्थित ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई व आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया गया।

जिला स्तरीय कार्यशाला में दी योजनाओं की जानकारी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में शुक्रवार को जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्र कार्यालय परिसर में उद्योग विभाग की नीतियों व योजनाओं की जानकारी देने के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान उद्योग महाप्रबंधक उजाला ने उपस्थित उद्यमियों व निवेशकों को राज्य सरकार की ओर से निवेश व रोजगार को बढ़ावा देने के लिए ओडीओपी पॉलिसी, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024, एमएसएमई पॉलिसी -2024 आदि जारी नीतियों व योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में राज्य कर अधिकारी भारत भूषण शर्मा, एलडीएम अमर सिंह, सहायक अग्रणी जिला प्रबन्धक दिनेश कुमार, रीको एसआई गौरव स्वामी व रीको एएसई जय सारण आदि उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों ने उद्यमियों व निवेशकों की शंकाओं का समाधान किया। इस दौरान धर्मेन्द्र बुडानिया, शंकरलाल प्रैमानी, दौलत तंवर, बनवारी लाल जांगिड, आदुसिंह गुर्जर, महेश आदि उपस्थित रहे।

मृतक आश्रित को मुआवजा राशि स्वीकृत

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले की चूरू तहसील के झारिया निवासी मोहम्मद साजिद की विदेश में मृत्यु हो जाने के कारण 'विदेशों में दुर्घटना ग्रस्त भारतीय' सरकारी बजट हैड से 65 हजार 509 रुपए मुआवजा राशि स्वीकृत की गई है। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की ओर से जारी आदेश के अनुसार मोहम्मद साजिद की विदेश में मृत्यु हो जाने के कारण 'विदेशों में दुर्घटना ग्रस्त भारतीय' सरकारी बजट हैड से 65 हजार 509 रुपए मुआवजा राशि मृतक की पत्नी कलसुम के बैंक खाता में जमा कराने की स्वीकृति जारी की गई है। चूरू तहसीलदार की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह मुआवजा राशि स्वीकृत की गई है।

टक्कर से पलटा ट्रैक्टर, नीचे दबने से चालक की मौत

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के सात्युँ सड़क पर मदरसा के पास एक ट्रैक्टर ने दूसरे ट्रैक्टर को टक्कर मार दी जिससे ट्रैक्टर चालक की मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार नागौर जिले के चावंडिया निवासी दुर्गाराम तारानगर के नहर विभाग में खुदाई का कार्य करते है। गुरुवार रात्री के 7.30 बजे नहर की खुदाई कर अपना ट्रैक्टर लेकर सात्यूं सड़क से तारानगर आ रहे थे कि मदरसा के पास पीछे से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने तेजगति, लापरवाही व गफलत से चलाते हुए दुर्गाराम के ट्रैक्टर के पीछे से टक्कर मार दी जिससे दुर्गाराम का ट्रैक्टर पलट गया और दुर्गाराम ट्रैक्टर के नीचे दब गया। रास्ते से जा रहे राहगीरों ने दुर्गाराम को नीचे से निकालकर कस्बे के राजकीय उप जिला अस्पताल लेकर आए जहां चिकित्सकों ने दुर्गाराम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सुपुर्द कर दिया और मृतक के बेटे की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया।

भगवान के वात्सल्य का स्वरूप है नरसी चरित्रः कृष्णानंद

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। हांडिया बाबा बगीची में हट्टी नाथ जी महाराज की 12 वीं पुण्य तिथि पर पाँच दिवसीय नानी बाई के मायरे की कथा शुरू हुई। कथा से पहले हरिराम बाबा मंदिर से कथा स्थल हांडिया बाबा बगीची तक कलश यात्रा निकाली गई। पहले दिन कथा में वाचक कृष्णानंद महाराज ने बताया कि भक्त वत्सल भगवान की अपने भक्तों पर प्रत्यक्ष कृपा का उदाहरण ही नरसी चरित्र की कथा है। महाराज ने बताया कि कलियुग में भगवत सत्संग, गाय, संत और अपने माता पिता की सेवा करने वालों को जीवन में आयु, विद्या, यश और बल स्वतः प्राप्त हो जाते है। आयोजक गंगा नाथ जी महाराज ने सबका आभार व्यक्त किया। कथा में संत नरेंद्र नाथ, इंद्र नाथ, त्रिवेणी नाथ, मुनीन्द्र भारती, बाबूलाल कम्मा, लादूसिंह शेखावत, पुरुषोत्तम कम्मा, कालूराम भार्गव, रामदेव चंदनीया, राहुल प्रजापत, गजेंद्र महर्षि, शंकर लाल माली, धनराज मंगलहारा, भवानी शंकर भार्गव आदि श्रोता उपस्थित रहे।

शाहीना भाटी को मिली स्कूटी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ के शेर मोहम्मद भाटी की पुत्री शाहीना भाटी को काली बाई भील मेधावी छात्रा योजना के तहत स्कूटी मिली है, जिस पर नीलगर समाज के लोगों ने खुशी जाहिर की है। समाज कल्याण विभाग के रमेश कुमार ने शाहीना भाटी को ये स्कूटी प्रदान की। शाहीना भाटी की इस उपलब्धि पर नीलगर समाज के सदर मोहम्मद हसन भाटी, पूर्व सभापति सिकन्दर अली खिलजी, शेर मोहम्मद गोपालपुरिया, सलीम बेहलीम, मुंशी चौहान, शबुर भाटी, कालू भाटी, शाहिद भाटी, सफी खिलजी आदि ने खुशी जाहिर की है।

सुनारों की प्याउ तक पाईप लाईन डालने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। जलदाय विभाग के ग्रामीण सहायक अभियंता को एक ज्ञापन सौंपकर कॉमरेड जगदीश नाथ ने गोपालपुरा से सुनारों की प्याउ तक पाईप लाईन डाले जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि अनेक लोगों के खेत सुनारों की प्याउ के पास स्थित हैं। जिनमें समय पर अच्छी बारिश नहीं होने के कारण कुंडों में पानी तक नहीं भर पाता। इसलिए किसानों को पेयजल किल्लत की समस्या से जूझना पड़ता है, जबकि इस रास्ते पर बारहमासी ढ़ाणियां बनाकर किसान रहते हैं। इसलिए जन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए गोपालपुरा से सुनारों की प्याउ तक पानी की पाईप लाई डलवाने की व्यवस्था कर लोगों को राहत प्रदान की जाए।

गब्बर गैंग के दीपक और हिस्ट्रीशीटर डेनिश बावरिया भिड़े, गाडियां दौड़ाई, जमकर तांडव

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं शहर के बालूराम स्मारक से सगीरा सर्किल बीच सड़क पर शुक्रवार को बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। एक- दूसरे की गाड़ियों के टक्कर मारी और मारपीट की। करीब 30 से 40 मिनट तक दोनो पक्षों के बीच संघर्ष हुआ। जानकारी के अनुसार, हिस्ट्रीशीटर डेनिश उर्फ नरेश बावरिया और दीपक मालसरिया के गुर्गों के बीच यह झगड़ा हुआ। दोनों गुटों ने एक- दूसरे की गाड़ियों को टक्कर मारी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। डेनिश बावरिया और दीपक मालसरिया की गाड़ियां करीब तीन किलोमीटर तक एक-दूसरे का पीछा करती रहीं। आखिरकार थ्री डॉट्स के पास एसके ट्रेडिंग कंपनी के बाहर दोनों गुटों के बीच भिड़ंत हो गई। चश्मदीदों के मुताबिक, बदमाशों ने एक-दूसरे की गाड़ियों को टक्कर मारनी शुरू कर दी, जिससे इलाके में अफरा- तफरी मच गई।

पुलिस देरी से पहुंची, व्यापारियों में दहशत

प्रत्यक्षदर्शी विशाल सोनी ने बताया कि वे अपनी दुकान में बैठे थे, तभी अचानक एक कैंपर गाड़ी आकर रुकी। इसके पीछे से आ रही तीन-चार गाड़ियों ने उसमें टक्कर मारनी शुरू कर दी। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस 40 मिनट बाद मौके पर पहुंची। तब तक बदमाश फरार हो चुके थे। इस बीच 20 मिनट तक एक गाड़ी नाले में फंसी रही, जिसे बाद में निकाला गया और इसे लेकर बदमाश फरार हो गए। पुलिस के देर से पहुंचने पर स्थानीय व्यापारियों ने नाराजगी जताई।

दोनों पक्षों के बदमाशों के बीच जमकर मारपीट

थानाधिकारी नारायण सिंह ने बताया कि जीत की ढाणी निवासी डेनिश उर्फ नरेश बावरिया एक कुख्यात अपराधी है और धनूरी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास, मारपीट सहित कुल 15 मामले दर्ज हैं। वहीं, भाटीवाड निवासी दीपक मालसरिया भी अपराधी प्रवृत्ति का है। उसके खिलाफ गुढ़ा थाने में पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ सहित मारपीट के छह मामले दर्ज हैं।

गब्बर गैंग से जुड़ा है दीपक

मालसरिया पुलिस के अनुसार दीपक मालसरिया 'गब्बर गैंग' से जुड़ा हुआ है। वहीं, डेनिश उर्फ नरेश बावरिया को हाल ही में एसबीआई बैंक में डकैती के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। लेकिन वह जमानत पर बाहर आ गया।

बदमाश फरार, पुलिस जांच में जुटी

घटना के बाद दोनों बदमाश अपने गुर्गों के साथ फरार हो गए हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। घटना स्थल के आसपास लगे कैमरे खराब थे। पुलिस बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पुलिस समय पर पहुंचती, तो अपराधियों को मौके पर ही पकड़ सकती थी।

राजीविका महिलाओं को दी बैंकिंग, ई-कॉमर्स व आयपरक गतिविधियों की जानकारी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। नाबार्ड की ओर से चूरू ब्लॉक के थैलासर गांव के राजीविका क्लस्टर ऑफिस में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजीविका डीपीएम दुर्गा देवी ढाका, नाबार्ड एजीएम जीएल निर्वाण, एलडीएम अमर सिंह, कॉपरेटिव एमडी मदनलाल शर्मा, बीआरकेजीबी रतननगर शाखा प्रबंधक फूलाराम मीना सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डीपीएम दुर्गा ढाका ने कहा कि महिलाओं को अपने जीवनस्तर के उन्नयन के लिए शिक्षा व उद्यमिता की ओर अग्रसर होना होगा। शिक्षा व स्वरोजगार आत्मनिर्भरता व सामाजिक उन्नयन की रीढ़ है। एलडीएम अमर सिंह ने कहा कि महिलाओं को आत्म निर्भर बनने की दिशा में स्वयं को उद्यम से जोड़कर आजीविका सृजित करनी चाहिए। समूहों की महिलाएं बैंकों से ऋण लेकर अपने रोजगार स्थापित कर सकती है। कॉपरेटिव एमडी मदनलाल ने कहा कि महिलाओं को बैंक की ओर से ऋण प्रदान किया जा रहा है। वर्तमान में गोपालन क्रेडिट कार्ड के तहत ऋण वितरित किया जा रहा है और सरकार की ओर से शर्तों में कुछ छूट भी प्रदान की गई है, जिससे महिलाएं योजना के तहत लाभान्वित हो सकती है। नाबार्ड एजीएम जीएल निर्वाण ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के जीवन सुधार लाने के लिए शिक्षित बनाना आवश्यक है। शिक्षा व सामाजिक जागरूकता के साथ लैंगिक समानता पर जोर दिया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि महिलाओं को आत्म निर्भर बनने के लिए रोजगार उन्मुखी प्रशिक्षण प्राप्त कर आयपरक गतिविधियों में इसका लाभ उठाना चाहिए। नाबार्ड की ओर से एमईडीपी, एलईडीपी, ई-कॉमर्स डिजिटल मार्केटिंग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पादों को अपलोड करने की ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे समूहों की महिलाएं अपने उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेच सकती है और अधिकाधिक आय प्राप्त कर सकती है। उन्होंने बताया कि हाल ही में नाबार्ड की ओर से थैलासर गांव में समूहों महिलाओं के लिए ऐसे प्रोजेक्ट स्वीकृत किए है, जिनका प्रशिक्षण चल रहा है। नाबार्ड की ओर से महिलाओं के उत्पादों को बेचने के लिए रुरल मार्ट भी स्थापित कराए जाते है, जिसमें तीन वर्ष का खर्चा नाबार्ड की ओर से वहन किया जाता है। ऐसे और भी प्रोजेक्ट राजीविका से प्राप्त होने पर स्वीकृत किए जा सकेंगे और महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अनुदान सहायता प्रदान की जा सकेगी। शाखा प्रबन्धक फूलाराम मीना व एफएलसी गुमान सिंह ने बैंकिंग सेवाओं के बारे में जागरूक किया। इस दौरान सुमन, मंजू सहित कई महिलाओं ने समूहों से जुड़ने के बाद हुए फायदों और अपने जीवन में आर्थिक सुधार, आय अर्जन, उद्यम स्थापित करने के अनुभव साझा किए। इस दौरान एफएलसी नवाब खान, बीपीएम वीपी सिंह, बबीता शर्मा सहित विभिन्न कलस्टर मैनेजर, कलस्टर कॉर्डिनेटर, सीएलएफ पदाधिकारी, राजीविका स्टाफ, कलस्टर स्टाफ, विभिन्न समूहों की करीब 65 महिलाओं ने भाग लिया।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। जयपुर के सिटी पैलेस मे प्रिंसेस दिव्या कुमारी फाउंडेशन की ओर से तीन दिवसीय क्षेत्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने सम्मेलन का शुभारंभ किया। सम्मेलन के दूसरे दिन डिप्टी सीएम दीया कुमारी और प्रिंसेस गौरवी कुमारी दिशा शेखावाटी संस्थान के स्टॉल पर पहुंची। डिप्टी सीएम दीया कुमारी इतनी बारीक जापानी तकनीक शिबोरी को देखकर प्रभावित हुई और हाथों से बने कपड़ों की सरहाना की। स्टॉल पर मौजूद अभिषेक चौधरी व दिशा शेखावाटी संस्थान सचिव डॉ. अमृता चौधरी ने डिप्टी सीएम व प्रिंसेस गौरवी कुमारी का शिबोरी सिल्क दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने दिशा शेखावाटी संस्थान की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली व हाथों से बने कपड़ों के उद्योग को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया।

होली के रंग दादीजी के संग कार्यक्रम 14 मार्च को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। ढ़ांढ़ंण वाली दादीजी का टाबरिया परिवार की ओर से होने वाले होली के रंग दादीजी के संग कार्यक्रम आगामी 14 मार्च को स्थानीय सत्संग भवन में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के संजय बजाज ने बताया कि प्रतिवर्ष होने वाले इस होली उत्सव व भजन संध्या में सूरत की वर्षा सोनी, फतेहपुर की कृष्णा किशोरी व्यास, चूरू के हिमांशु चोटिया, मेहुल शर्मा व आशीष डीडवानिया अपनी मधुर वाणी से भजनों की अमृत वर्षा करेंगे। बजाज ने बताया कि कार्यक्रम में मां ढ़ाढ़ंण वाली की दिव्य ज्योत, चुनरी उत्सव, गजरा उत्सव व कोलकाता के कलाकारों की ओर से दादी का अलौकिक श्रृंगार आकर्षण का केंद्र होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ 14 मार्च शुक्रवार को सांय 5 बजे मां ढ़ांढ़ंण वाली की दिव्य ज्योत प्रज्वलित कर किया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक संजय बजाज ने बताया कि इस अवसर पर आर.जेएस, चार्टेड अकाउंटेंट सहित विभिन्न राजकीय क्षेत्रों में उच्च पदों पर चयनित होने वाले हिन्दू समाज के अभ्यर्थियों को सम्मानित किया जाएगा। बजाज ने बताया कि योग्य अभ्यर्थी दिनांक 13 मार्च 2025 तक आयोजन समिति को अपना रजिस्ट्रेशन करवा दें, ताकि उनका सम्मान किया जा सके।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड तारानगर, चुरू

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून । पानी बिना ना उबरे, मोती मानस चून।।

बदलती जीवनशैली और बदलते शहरीकरण के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। भू-जल अतिदोहन के कारण पानी की कमी निरन्तर बढ़ रही है ।
अतः जीवन को सुरक्षित रखना है तो वर्षा एवं भूमिगत जल को संरक्षित रखना होगा। के दूरुपयोग को रोकना होगा वरना जीवन खतरे में पड़ जायेगा ।
आओ हम दैनिक कार्यों में जल उपयोग के निम्नांकित तरीकों को अपनाकर जल की बचत कर आने वाली पीढ़ी के जीवन को सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं-

जल बिन सब सून

'जल ही जीवन है' जल के बिना जीवन सुरक्षित नहीं है इस बाबत महान कवि रहिमनजी ने भी अपने निम्नांकित दोहे के मार्फत जीवन पर जल की उपयोगिता का चित्रण किया है।

बचे हर बूंद, पले जीवन, हमने किये हैं वो सारे जतन ।
अब आगे आये एक-एक जन, जल संचय में लगा दे तन मन ।।

क्र. सं.	दैनिक क्रिया का नाम	खर्च पानी की मात्रा लीटर में	जल उपयोग करने के तरीके	पानी बचत की मात्रा लीटर में
1.	स्नान करने में	फव्वारे से - 180 लीटर	बाल्टी से 18 लीटर	162 लीटर
2.	शौचालय जाने में	फ्लक्स टैंक से 13 लीटर	छोटी बाल्टी से 4 लीटर	9 लीटर
3.	शेव करने में	नल खोलकर करने से 11 लीटर	मग से पानी लेकर 1 लीटर	10 लीटर
4.	दंत मंजन	नल खोलकर करने में 33 लीटर	मग या छोटे लोटे से पानी लेकर 1 लीटर	32 लीटर
5.	कपड़ों की धुलाई	नल खोलकर करने में 166 लीटर	बाल्टी के उपयोग से 18 लीटर	148 लीटर
6.	एक लॉन / कोर्ट यार्ड में 10,000 से 12,000 लीटर उपयोग किये जल से एक छोटे परिवार हेतु एक माह का जल उपलब्ध हो सकता है।			
7.	प्रति सैकण्ड नल से टपकती जल बूंद से एक दिन में 17 लीटर जल का अपव्यय होता है।			
8.	इसके अलावा उपभोक्ता अपनी सर्विस लाईनों की मरम्मत कर पानी के रिसाव को रोककर भी सहयोग प्रदान कर सकते हैं।			
9	जलदाय विभाग की पाईप लाईनों में यदि कहीं लीकेज हो तो उसकी सूचना भी विभाग को समय पर देकर सहयोग कर सकते हैं।			

पानी बचाएं

छत वर्षा जल संग्रहण करें,
परिवार के लिए पीने का पानी बचाएं

रिचार्ज से भूजल बढ़ाएं
पानी बचाएं

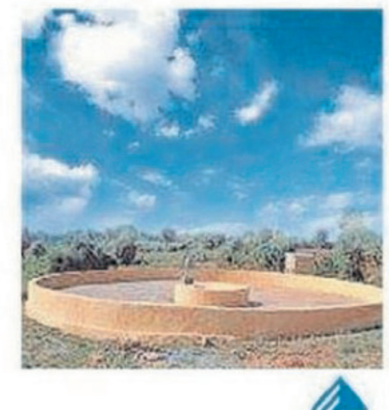

बरसात का पानी टांके में
इकट्ठा करें पानी बचाएं

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग | जल एवं स्वच्छता सहयोग संगठन
द्वारा जनहित में जारी

अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड नीमकाथाना

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।